दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 264/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, गुरुवार 1 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

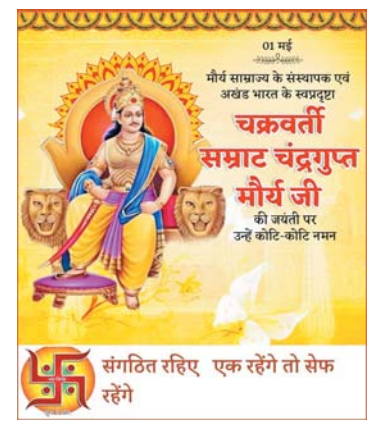

बच्चे के जन्म के 17वें दिन पीएस दी रिजल्ट आया तो 45वीं रैंक हासिल की

तिरुवनंतपुरम। केरल की मालविका जी नायर की कहानी किसी को भी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती है। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 3 बार सफलता हासिल की। उनका लक्ष्य आईएएस अफसर बनना था, जो उन्होंने अंततः पा लिया। इस बार के यूपीएससी रिजल्ट 2024 में उन्हें 45वीं रैंक हासिल हुई है। मां बनने के बाद भी उन्होंने परीक्षा की तैयारी जारी रखी और सिलेक्शन लिस्ट में जगह बनाकर ही सांस ली। मालविका जी नायर केरल की रहने वाली हैं। फिल्हाल वे आईआरएस अफसर हैं और चाइल्ड केयर लीव यानी सीसीएल पर हैं। उनके पति ट्रेनी आईपीएस अफसर हैं। पति और परिवार के सहयोग से उन्होंने मां बनने के मात्र 17 दिन के अंदर यूपीएससी परीक्षा दी और पास होकर सफलता की एक नई कहानी रच दी। मालविका की यूपीएससी सक्सेस स्टोरी हर उस मां के लिए प्रेरणा है, जो जिंदगी में कुछ करना चाहती है। संघ लोक सेवा आयोग ने 22 अप्रैल 2025 को यूपीएससी रिजल्ट जारी किया। इस रिजल्ट में बेटियां छा गई। ऑल इंडिया रैंक 1 और 2 पर शक्ति दुबे और हर्षिता गोयल हैं। यूपीएससी टॉपर लिस्ट में केरल के अलाप्पुझा जिले के चेंगन्नूर की रहने वाली मालविका जी नायर का भी नाम है। उन्होंने 45वीं रैंक के साथ यूपीएससी टॉपर लिस्ट में जगह बनाई। उन्होंने बताया कि आईएएस में जाने का यह उनका आखिरी प्रयास था। अभी वे भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं, लेकिन अब जल्द ही आईएएस की कुर्सी पर बैठेंगी।

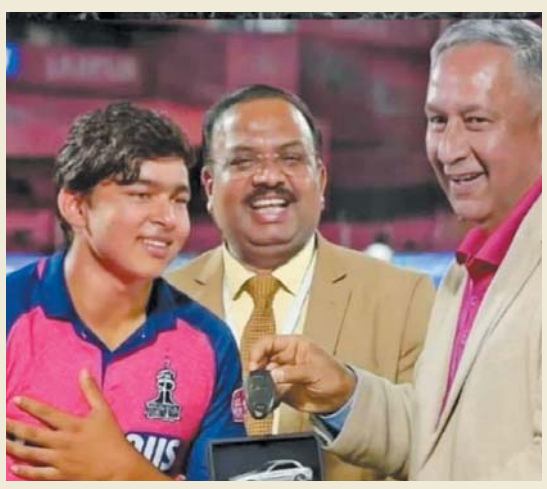

14 साल की उम्र में आईपीएल में शतक जड़ने वाले वैभव को इनाम में मिली मर्सिडीज-बेंज ने सौंपी चाबी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हर सीजन नए सितारे चमकते हैं, और इस बार 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे तेज सेंचुरी (35 गेंदों में 100 रन) लगाई। जिसके इनाम स्वरुप राजस्थान रॉयल्स के मालिक रंजीत बारठाकुर ने वैभव को एक शानदार मर्सिडीज-बेंज कार की चाबी दी। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अपने डेब्यू सीजन में ही उन्होंने 35 गेंदों में सेंचुरी जड़कर क्रिकेट जगत को हक्का-बक्का कर दिया। यह आईपीएल की दूसरी सबसे तेज सेंचुरी है, जबकि पहला स्थान अभी भी क्रिस गेल (30 गेंदों में 100 रन) के नाम है। वैभव की इस उपलब्धि ने उन्हें रातोंरात सुर्खियों में ला दिया। मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें रंजीत बारठाकुर वैभव को मर्सिडीज-बेंज की चाबी सौंपते नजर आ रहे हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कौन सा मॉडल है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि यह एक हो सकती है। कुछ सूत्रों के अनुसार, यह कार नई हो सकती है, या फिर रंजीत बारठाकुर की निजी कार हो सकती है, जिसे उन्होंने वैभव को तोहफे में दिया। वायरल तस्वीर में वैभव, रंजीत बारठाकुर के साथ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। रंजीत बारठाकुर असम के जोरहाट के जाने-माने व्यवसायी हैं और रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं, जो राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी की मालिक कंपनी है।

वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेवस) का शुभारंभ

ये एक लहर है - कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की: मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेवस) का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम कहा- वेवस ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है - कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा। उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा ने भारत को कोने-कोने तक पहुंचाया प्रधानमंत्री ने कहा- आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है। दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया मोदी बोले- आज वेवस में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला।

आप सभी का प्रयास वेवस को नई ऊंचाई देगा

उन्होंने कहा, ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय लाल किले से मैंने सबका प्रयास की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेवस को नई ऊंचाई देगा। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय है। आज जब दुनिया स्टोरी-टेलिंग के नए तरीके ढूंढ रही है। तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना टाइमलैस है, थॉट प्रो-वॉकिंग और ग्लोबल है।

भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल

पीएम मोदी बोले- ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को सब टाइटल्स के साथ देख रहे हैं।

भारत में ओटीटी में 10 गुना वृद्धि देखी गई

भारत में ओटीटी में 10 गुना वृद्धि देखी गई है। स्क्रीन का आकार भले ही छोटा हो रहा है, लेकिन इसका दायरा अनंत है। स्क्रीन छोटी होती जा रही है, लेकिन संदेश बड़ा है। आज भारत फिल्म प्रोडक्शन, डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, फैशन और म्यूजिक का ग्लोबल हब बन रहा है। एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा अवसर लाइव कंसर्ट से जुड़ी इंडस्ट्री के लिए अनेक संभावनाएं हमारे सामने हैं। आज ग्लोबल एनिमेशन मार्केट का साइज 430 बिलियन डॉलर से ज्यादा का है, अनुमान है की अगले 10 सालों में ये दोगुना हो सकता है। ये भारत की एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा अवसर है।

फाइटर हैं मोदी, कश्मीर में लाएंगे शांति: रजनीकांत

नई दिल्ली। सुपरस्टार रजनीकांत ने गुरुवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को निर्मम और बर्बर बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फाइटर की संज्ञा दी। उन्होंने विश्वास जताया कि पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर में शांति और उसका गौरव लौटाएंगे।रजनीकांत समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। आपको बता दें कि भारत के ऑडियो-विजुअल और एंटरटेनमेंट जगत ने मिलकर इसका आयोजन किया है। रजनीकांत ने कहा, पीएम मोदी एक फाइटर हैं। वो किसी भी चुनौती से नहीं डरते हैं। उन्होंने इसे बीते एक दशक में बार-बार साबित किया है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि वो कश्मीर मुद्दे को साहस और गरिमा से संभालेंगे और वहां शांति बहाल करेंगे। रजनीकांत ने यह भी बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें कहा था कि मौजूदा हालात और आलोचना को देखते हुए चार दिन का यह आयोजन शायद स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन मुझे भरोसा था कि यह कार्यक्रम जरूर होगा, क्योंकि मुझे नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है। वेवस समिट भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर को वैश्विक मंच पर ले जाने की एक पहल है। यह फिल्म, ओटीटी, गेमिंग, डिजिटल मीडिया, एआई, कॉमिक्स, ब्रॉडकास्टिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) जैसे क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर भारत की रचनात्मक शक्ति का प्रदर्शन करेगा। इसका लक्ष्य वर्ष 2029 तक 50 अरब डॉलर के बाजार को हासिल करना है। आपको बता दें कि यह समिट उस वक्त आयोजित हो रही है जब हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है और देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी को वापस भेजा गया है।

गढ़ाकोटा में 3 हजार जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह

विधवाओं के पुनर्विवाह को बढ़ावा देना समाज का दायित्व: डॉ यादव

गढ़ाकोटा (सागर)। सागर की रहली के गढ़ाकोटा में गुरुवार को 23वां पुण्य विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में करीब 3000 हजार जोड़ों का विवाह होना है। इसमें शामिल होने पहुंचे सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि अगर हमारी किसी बहन का पति उन्हें छोड़कर चला जाता है, उसकी मौत हो जाती है। ऐसे में हमारा फर्ज है कि हम उन्हें दोबारा शादी के लिए तैयार करें। कई बार हम देखते हैं कि जिनके परिवार में बेटी ब्याह कर घर छोड़कर आई। अगर किसी कारणवश उनका बच्चा शरीर छोड़कर चला जाता है तो उस समय के ससुर और सास मां-बाप होने के नाते अपनी उस बहू का भी विवाह कर देते थे। उन्होंने कहा कि इस भावना का अभिनंदन करना चाहिए। गुरुवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में करीब तीन हजार जोड़े परिणय सूत्र में बंध रहे हैं।

25 हजार कन्याओं के विवाह कराने का रिकॉर्ड: गढ़ाकोटा में रहली विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव वर्ष 2001 से पुण्य सम्मेलन सम्मेलन का आयोजन कराते आ रहे हैं। जिसमें रहली विधानसभा में 25 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह कराने का रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। भाजपा नेता अभिषेक भार्गव ने बताया कि 23वें पुण्य विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी है। सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र से शामिल होने वाली दुल्हनों की हल्दी और मेहंदी रस्म का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आमंत्रित किया गया है।

सेना का मनोबल न तोड़ें, पहलगाम हमले की जांच वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी। कोर्ट ने याचिका दायर करने वालों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी याचिकाएं सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ सकती हैं। जस्टिस सूर्या कांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं से कहा, ऐसी याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदार बनें। आपके पास देश के प्रति कुछ कर्तव्य हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सेना पहले ही इस हमले की जांच कर रही है और आतंकियों की तलाश में व्यापक अभियान चला रही है। ऐसे में न्यायिक जांच की कोई आवश्यकता नहीं है। इस याचिका में पहलगाम आतंकी हमले की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई थी, साथ ही केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को निर्देश देने की अपील की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इसे निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने नौ दिन पहले ही इस हमले को मानवता के खिलाफ क्रूर और निंदनीय कृत्य बताते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। कोर्ट ने तब कहा था कि यह हमला सभी के विवेक को झकझोरने वाला है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालयों ने भी इस हमले की निंदा की थी और एकजुटता दिखाते हुए मौन रखा था।

आज से मप्र समेत देशभर में एटीएम से लेकर रेलवे टिकट तक के लिए बदल गए नियम

भोपाल। हर महीने की पहली तारीख को सरकार कुछ जरूरी नियमों में बदलाव करती है, और इस बार यानी 1 मई से कई महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं। इन बदलावों का सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा, चाहे वह एटीएम से पैसे निकालने का तरीका हो, रेलवे टिकट बुकिंग हो या फिर अमूल दूध की कीमतों में वृद्धि हो। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से नियम बदल रहे हैं और इनका आपके दैनिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा।अमूल दूध की कीमतों में 2 रुपए की बढ़ोतरी। एटीएम से पैसे निकालने पर लगेगा ज्यादा पैसा, रेलवे टिकट बुकिंग में बदलाव। वेटिंग टिकट पर यात्रा केवल जनरल कोच में ही संभव होगी। इसके अलावा, अग्रिम आरक्षण की अवधि को 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। इससे यात्रियों को टिकट बुकिंग के समय में बदलाव का सामना करना पड़ेगा। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव, 41 रुपए सस्ता हो गया।

सीएनजी की कीमत में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी, एटीएफ की कीमत में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी, इस साल 10वीं वृद्धि है। रेपो रेट में कटौती के बाद, कई बैंकों ने अपने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और सेविंग अकाउंट्स पर ब्याज दरों में संशोधन किया है। 1 मई से इन दरों में और बदलाव की संभावना है, जो निवेशकों और बचतकर्ताओं को प्रभावित करेगा।

सप्ताहांत के कारण बैंकों में 12 छुट्टियां होंगी

मई 2025 में विभिन्न त्योहारों और सप्ताहांत के कारण बैंकों में 12 छुट्टियां होंगी। इसमें मजदूर दिवस, बुद्ध पूर्णिमा, महाराणा प्रताप जयंती और दूसरा एवं चौथा शनिवार शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी बैंकिंग योजनाओं को इन छुट्टियों के हिसाब से बनाएं, ताकि कोई भी कार्य रुक न जाए। हाल ही में यह खबरें सामने आई थीं कि 1 मई से फास्ट टैग को हटा दिया जाएगा और उसकी जगह जीपीएस आधारित प्रणाली से टोल लिया जाएगा। लेकिन यह खबर पूरी तरह से गलत है। परिवहन मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जीपीएस आधारित टोल प्रणाली को पूरे देश में लागू करने की कोई योजना नहीं है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि फास्ट टैग पहले की तरह जारी रहेगा और वह अपना काम करता रहेगा। महाराष्ट्र के कुछ शहरों में 1 मई से ओला, उबर और रैपिडो के किराए को लेकर बड़ा बदलाव होगा। पुणे, पिंपरी चिंचवड़ और बारामती में अब इन सेवाओं का किराया सरकार द्वारा तय किया जाएगा। सरकार ने शुरुआती 1.5 किमी के लिए 37 रुपये और उसके बाद प्रति किमी 25 रुपये किराया निर्धारित किया है। इस नई दर व्यवस्था से यात्रियों को अब अधिक पारदर्शिता और स्थिरता मिलेगी।

नौसेना ने जंगी जहाजों को अलर्ट पर रखा

अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस; गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड तैनात

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को 8 दिन बीत चुके हैं। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी मामले की जांच कर रही है। चीफ सदानंद दाते गुरुवार दोपहर पहलगाम पहुंचे। इसके बाद वे घटनास्थल जाएंगे। जहां आतंकियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। की टीम इलाके की 3डी मैपिंग करेगी ताकि क्राइम स्पॉट को बेहतर ढंग से समझा जा सके। आतंकी कहां से आए थे और किस रास्ते से गए। इसकी जानकारी मिल सकेगी। आतंकियों ने हमला करने से पहले चार स्थानों पर रेकी की थी। इसमें बायसरन के अलावा अरु वैली, बेताब वैली और एम्यूजमेंट पार्क (लोकल पार्क) शामिल है। न्यूज एजेंसी हद्ध के मुताबिक, इंडियन नेवी ने वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है।

पिछले दिनों अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड की भी तैनाती की गई है। उधर पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर अपने झंडे फिर लगा दिए हैं। एक दिन पहले पाक ने चौकियों से झंडे हटा दिए थे। इस बीच पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका से अपील की है कि वह भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने और बयानबाजी कम करने का दबाव बनाए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से शरीफ ने यह भी कहा कि भारत के उकसाने वाले रवैया से क्षेत्रीय हालात बिगड़ सकते हैं। रुबियो ने बुधवार रात शहबाज शरीफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से फोन पर बात की। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की और कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ है। मुताबिक, इंडियन नेवी ने अरब सागर में प्रैक्टिस की। वॉरशिप को किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई।

फंदा में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 151 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुए

बेटियां बोझ नहीं परिवार की शान होती हैं: रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मध्यप्रदेश में कई स्थानों पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किए गए। इसी तारतम्य में बुधवार को हरिहर नगर, फंदा में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 151 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ परिणय सूत्र में बंधकर नवजीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर सभी को नव दांपत्य जीवन में प्रवेश करने की बधाई दी। उन्होंने मंच से नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना जैसे सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों से बेटियों और उनके परिवारों को सामाजिक, मानसिक व आर्थिक संबल प्राप्त होता है। बता दें कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत आयोजित इस सम्मेलनों में शामिल नवयुगलों और उनके परिजनों के लिए भोजन, आवास, कपड़े, श्रृंगार सामग्री, पंडितों की व्यवस्था, स्टेज, मंडप एवं सभी आवश्यक संसाधनों का समुचित प्रबंध कराया जाता है। साथ ही बेटियों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं से जुड़ा सामान भी उपहार स्वरूप दिया जाता है। सम्मेलन में संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - समाज में बेटियाँ किसी भी दृष्टि से बोझ नहीं हैं, बल्कि वे हर परिवार की शान होती हैं। जिस परिवार में बेटियाँ जन्म लेती हैं वह परिवार खिल जाता है। और जो माता-पिता को बेटी का कन्यादान करने का सौभाग्य प्राप्त होता है उन्हें कन्यादान से यज्ञ कराने जितना फल मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि - मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना यह सुनिश्चित करती है कि बेटियाँ परिवार को बोझ न लगें, उनके विवाह की चिंता में पिता के माथे पर सिकुड़न न छाने पाए, परिवार कर्ज के बोझ में न दबे इस उद्देश्य के साथ बेटियों के विवाह के लिए संचालित यह योजना निश्चित ही अनेकों परिवारों के लिए वरदान बनी हुई है।

विधायक शर्मा ने 151 जोड़ों को रामचरितमानस भेंट की

मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत आयोजित 151 जोड़ों के इस विवाह समारोह में विधायक रामेशश्वर शर्मा ने सभी नवयुगलों को एक-एक रामचरित मानस भेंट कर दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने की शुभकामनाएँ दी। इस दौरान विधायक शर्मा ने हर जोड़े से घर में प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ करने की अपील भी की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया तमिल नववर्ष

भोपाल। तमिल संगम ने बी एच ई एल सांस्कृतिक भवन पिपलानी मे तमिल नव वर्ष 2025 का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक किया। तमिल नव वर्ष, जिसे पुथांडु के नाम से जाना जाता है, तमिल कैलेंडर की शुरुआत का प्रतीक है और विश्व भर के तमिल समुदायों के लिए गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। यह नई शुरुआत, समृद्धि, कृतज्ञता और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक है। भोपाल में, जहां तमिल समुदाय तमिलनाडु से दूर अपनी समृद्ध विरासत को जीवित रखता है, यह वार्षिक उत्सव एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मील का पत्थर बन चुका है। इस वर्ष के उत्सव में अभूतपूर्व भागीदारी देखी गई, जिसने इसे अब तक के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बना दिया। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि डॉ राघवेंद्र शर्मा, किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष नगर निगम भोपाल, विशेष अतिथि के रूप में आर. के. जीवगंथन, अतिरिक्त महाप्रबंधक, केनरा बैंक, भोपाल, डॉ सेंथिल कुमार उपायुक्त के वी एस, सुनील शर्मा एआईजी पुलिस, मनिकन्द स्वामी अतिरिक्त आयुक्त जी एस टी, रोहिन्त उपायुक्त आयकर विभाग, स्वामीवेल ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाली क्षेत्रीय परंपराओं के उत्सव के महत्व पर प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने सरकार की सांस्कृतिक सद्भाव और समावेशी सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों के प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उपस्थित थे। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने तमिल संगम द्वारा विशेष रूप से युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने और मध्य प्रदेश में समुदाय के नागरिक जीवन में योगदान के प्रयासों की सराहना की। तमिल नव वर्ष उत्सव 2025 एक सांस्कृतिक आयोजन एकता, गर्व और परंपराओं के प्रति समर्पण का प्रतीक था। सबसे युवा कलाकारों से लेकर बुजुर्गों की कहानियों, पवित्र अनुष्ठानों से लेकर स्वादिष्ट तमिल भोजन तक, दिन का हर क्षण साझा किया। सचिव सुब्रमनियम ने बताया तमिल विरासत को संरक्षित करने की साझा प्रतिबद्धता के साथ गूंजता रहा। यह आयोजन तमिल समुदाय और क्षेत्र के शुभचिंतकों को सांस्कृतिक उत्सवों, पारंपरिक प्रदर्शनों और हार्दिक संबंधों को एक साथ लाया। इस अवसर पर एम रवि एडवोकेट , सुब्रमण्यम सचिव, डॉ सुरेश कुमार सलाहकार, के शंकर सचिव, आदि समिति के पदाधिकारी उपस्थिति थे।

दुष्यंत कुमार की 50वीं पुण्यतिथि पर हुआ कविता पाठ

भोपाल। दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में दुष्यंत कुमार की 50 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मासिक आयोजन के तहत दुष्यंत की कविताओं का पाठ युवा रचनाकारों, कलाकारों ने किया। रचना पाठ के पश्चात दुष्यंत के समकालीन राजेश जोशी एवं बलराम गुमास्ता ने दुष्यन्त के कवि कर्म पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर राजेश जोशी ने कहा बहुत पहले कवि नामक एक पत्रिका निकलती थी जिसमें एक कवि और उस पर एक साहित्यकार की टिप्पणियां प्रकाशित की जाती थी ।इसी पत्रिका में दुष्यंत की कविताएं छपी थी जिस पर केदारनाथ सिंह जी की टिप्पणी प्रकाशित हुई थी। इस टिप्पणी में केदारनाथ जी ने कहा था कि दुष्यंत की कविताएं सबसे कम व्याख्या की मांग करती है ।उनकी कविताएं इतनी सीधी सरल, सहज होती है कि उन्हें किसी तरह की व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती है ।दूसरा उनके कथ्य में उनका अपनापन अधिक मुखर होता है । कवि की प्रतिबद्धताएं क्या है यह भी उनकी कविताओं से परिलक्षित होता है। दुष्यंत की कविताएं दूसरे सप्तक के बाद की कविताएं हैं और वे कलात्मक उपलब्धि के साथ सामने आती है । इस अवसर पर बलराम गुमास्ता ने कहा कि दुष्यंत की कविताएं मानवीय बेचैनी का एक रूप है और उनकी सारी समस्याएं और बेचैनी कविता के रूप में सामने आती हैं ।दुष्यंत की कविताएं छायावाद के बाद की कविताएं हैं और उनकी कविताओं में सहजता का राग है ।ये कविताएं भावुकता प्रधान है और जीवन के अनुभव से उपजी हैं । इस अवसर पर युवा रचनाकारों में ईशान सक्सेना ने मेरी कुंठा और एक आशीर्वाद, शिवाजी राय ने प्रेम गीत, शांतनु सिंह ने समय और सत्य बतलाना, मुदित श्रीवास्तव ने इस मोड़ से तुम मुड़ गई फिर राह सूनी हो गई और फिर आऊंगा, अंशिका कसाना ने प्रेरणा के नाम और विदा के बाद प्रतीक्षा, मंशा मिश्रा ने गीत का जन्म और आवाजों के घेरे, वैशाली थापा ने ईश्वर को सूली और कैद परिंदे का बयान, राहुल शर्मा ने गौतम बुद्ध से और खुशी वर्नबाल ने ऐसा क्यों और आग चलती रहे कविताओं का पाठ किया । इस अवसर पर संग्रहालय के संयुक्त सचिव सुरेश पटवा ने बीज वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन संग्रहालय की सचिव करुणा राजुरकर ने दिया एवं संचालन विशाखा राजुरकर ने किया।

महाराज अग्रसेन की 14वीं महाआरती 4 मई को

भोपाल। अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान अग्रसेन महाराज और कुलदेवी मां लक्ष्मी की महाआरती- 04 मई को सायं 6 बजे आईटीसी पार्क कमला पार्क के सामने की जा रही हैं। नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि माह के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया था वह निरंतर जारी है। अब तक तेरह महाआरती सम्पन्न हो चुकी है। भोपाल में नियमित आरती होने से अग्रवाल समाज में एकता, अखंडता के साथ ही भक्ति-भाव और समरसता का संचार हो रहा है। मुकेश गोयल ने बताया कि आरती के साथ साथ समाज में और भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाने की योजना बनाई जा रही है जिनके माध्यम से समाज के लोगों को आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में लाभ मिले और सब मिलकर समाज सेवा और जनकल्याण के कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। मुकेश गोयल ने बताया कि चौदहवीं महाआरती की जजमानी अग्रवाल समाज अयोध्या बायपास रोड करोंद समिति द्वारा की जा रही है।

8000 पेड़ बचाने को लेकर शिवाजी नगर में हुई बैठक

भोपाल। 8000 पेड़ बचाने को लेकर हुई शिवाजी नगर में बैठक हुई सभी ने एक स्वर में पेड़ काटने की निंदा की उपस्थित सभी जन ने कहा कि भोपाल की जनता आशाराम चौराहा से अयोध्या बायपास रत्नागिरी 16 किलोमीटर तक जो सड़क बड़े-बड़े पेड़ों को काटकर हरियाली उजाड़ कर बनाई जाएगी उसके विरोध में भोपाल शहर की जनता सड़कों पर आएगी(बैठक में डॉक्टर सुभाष सी पांडे, डाक्टर सुदीप पाठक, कमल राठी, डॉक्टर राजीव जैन,आशुतोष शुक्ला, सुयश कुलश्रेष्ठ, उमाशंकर तिवारी, अरुणा शर्मा, डॉ अर्चना शुक्ला,सुनील आसवकर, दिव्यांशु, प्रतीक,वीरेंद्र ,धीरेन्द्र,विवेक सक्सेना, हिमांशु पाठक आदि उपस्थित थे(सभी ने एक स्वर में 8000 पेड़ बचाने को लेकर भोपाल में एक बड़ा आंदोलन करने की बात कही और जल्दी एक बैठक कर सड़क पर आकर संघर्ष करने की तिथि घोषित की जाएगी। उन्होंने मांग की कि भोपाल शहर की हरियाली बचाने के लिए मुख्यमंत्री 8000 पेड़ काटने पर रोक लगाएं।

जातिगत जनगणना पर केंद्र की पहल स्वागत योग्य लेकिन संघर्ष अभी अधूरा: लोकेंद्र सिंह गुर्जर

भोपाल। देशभर में जातिगत जनगणना की मांग को लेकर चल रहे जनआंदोलन के बीच केंद्र सरकार द्वारा इस दिशा में उठाया गया प्रारंभिक कदम सराहनीय है। यह निर्णय देश के करोड़ों वंचित वर्गों की आवाज़ और सामाजिक कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम है। ओबीसी नेता लोकेंद्र सिंह गुर्जर ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा यह सामाजिक न्याय के मार्ग पर एक सकारात्मक कदम है, लेकिन हमारी अंतिम मांग पूर्ण जातिगत जनगणना और उसके आधार पर नीतिगत निर्णय अभी पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व, संसाधनों की समान भागीदारी और हकदारी की लड़ाई है। जब तक जातिगत जनगणना को पूरी तरह से लागू कर, इसे सरकारी नीतियों का हिस्सा नहीं बनाया जाता, संघर्ष जारी रहेगा।

सुखी जीवन और समृद्ध राष्ट्र निर्माण के लिए योग, आर्युवेद और सनातन संस्कृति आवश्यक

भोपाल। पतंजलि किसान सेवा समिति मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र के राज्य प्रभारी मुन्नी लाल यादव का गत दिवस प्रवास कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज, आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के अभियान स्वास्थ्य, सुखी समृद्ध भारत निर्माण में पतंजलि द्वारा संचालित आर्युवेद, स्वदेशी, प्राकृतिक जैविक खेती भारतीय शिक्षा बोर्ड सनातन धर्म की रक्षा को राष्ट्र निर्माण, सेवा संस्कृति के विस्तार में लगना पड़ेगा, स्वामी रामदेव जी महाराज की अध्यक्षता में भारत सरकार ने भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया है, प्राइवेट स्कूलो को भारतीय शिक्षा बोर्ड से सम्बध करने हेतु विद्यालययों में ज्यादा से ज्यादा संपर्क कर प्रचार - प्रसार करने की आवश्यकता बताईद्य इस अवसर उमेश जाट को पतंजलि किसान सेवा समिति का जिला सह प्रभारी नियुक्त सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया।

विदेशी छात्रों ने भारत अनफिल्टर्ड कार्यक्रम में ग्रामीण भारत का अनुभव किया

भोपाल,। वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ स्टूडेंट्स एंड यूथ के भोपाल चैप्टर ने भारत अनफिल्टर्ड गांव से विश्व तक नामक एक अनूठे सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके तहत 20 देशों के 30 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हसुआ गांव ले जाया गया। ये छात्र वर्तमान में भोपाल के विभिन्न यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हैं और उन्होंने ग्रामीण भारतीय जीवन शैली में खुद को पूरी तरह से डुबो दिया, जिससे सांस्कृतिक समझ और मित्रता को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गांव वालों द्वारा छात्रों का पारंपरिक संगीत, पटाखों और पगड़ी बांधकर स्वागत करने से हुई। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ बातचीत की, उनके घरों का दौरा किया और घर पर बने भारतीय भोजन का आनंद लेते हुए ग्रामीण आतिथ्य की वास्तविक अनुभूति की। सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और बढ़ाते हुए, गांव के बच्चों ने छात्रों को पिठू (एक पारंपरिक भारतीय खेल) खेलने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में WOSY के ग्रीय संयोजक शुभम गोयल और ABVP की राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा भी उपस्थित रहे, जिन्होंने वैश्विक युवाओं को भारत की जड़ों से जोड़ने के इस प्रयास की सराहना की।

WOSY के राष्ट्रीय महामंत्री शुभम गोयल द्भद्ब ने कहा, आज जब दुनिया तकनीक और शहरीकरण की ओर तेज़ी से बढ़ रही है, ऐसे में भारत की असली ताकत उसके गांवों में छिपी है। %भारत अनफिल्टर्ड% के माध्यम से हमने प्रयास किया है कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, सादगी और सामूहिक जीवन के महत्व को समझें। इस तरह के आयोजन न केवल भारत की छवि को सशक्त करते हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक पुल भी बनाते हैं। ABVP की राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा ने कहा, भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। जब अंतर्राष्ट्रीय छात्र यहां की मिट्टी, संस्कृति और जनजीवन से जुड़ते हैं, तो वे न केवल भारत को समझते हैं, बल्कि उसकी आत्मा को महसूस करते हैं। ऐसे कार्यक्रम वैश्विक युवा समाज में भारतीय संस्कृति की गरिमा और उसकी सजीवता को दर्शाने का सशक्त माध्यम हैं। WOSY मध्य भारत के प्रांत संयोजक अनुज प्रताप सिंह ने कहा इस पहल का उद्देश्य दुनिया के सामने असली, अनफिल्टर्ड भारत को प्रस्तुत करना था। ग्रामीणों और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों दोनों का उत्साह सांस्कृतिक आदान-प्रदान की वैश्विक सद्भावना बनाने की शक्ति को दर्शाता है। कार्यक्रम का समापन खुशनुमा माहौल में हुआ, जहां छात्रों ने इस अविस्मरणीय अनुभव के लिए आभार व्यक्त किया और ग्रामीणों ने वैश्विक मेहमानों को अपने यहां आमंत्रित करने के अवसर को सराहा।

दिनचर्या में सुधार ही, अच्छे स्वास्थ्य की ओर पहला कदम हैं: डॉ गुलाब राय टेवानी

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 21 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसका भव्य अनुभव समारोह आरोग्य केन्द्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी के मार्गदर्षन में आयोजित किया गया। शिविर की गतिविधियों पर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने प्रकाश डालते हुए बताया कि इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में पधारे साधक जिसमें से मध्यप्रदेश से 34, छत्तीसगढ़ से 7, महाराष्ट्र से 6, उत्तरप्रदेश से 5, दिल्ली से 8, राजस्थान् से 7, गुजरात से 4, तेलंगाना से 1, हरियाणा से 3, उत्तराखंड से 1, बिहार से 2 कुल 78 साधकों ने भाग लिया। जिनका विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया गया। डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि जब आप प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते हैं तो आप जीवन में सदैव के लिए निरोग हो जाते हैं और जीवन में कभी रोग नहीं आता हैं। जब भी आहार का ग्रहण करें तो आपके मन में यह विचार होना चाहिए कि क्या यह आहार स्वास्थ्यवर्धक हैं या नहीं? अभी तक आप अनियमित दिनचर्या अपना रहे थें, लेकिन अब आपकी दिनचर्या में परिवर्तन कर दिया गया हैं जो कि आपने स्वंय महसूस किया हैं तभी आपके मन में पूर्ण विश्वास आया कि मैं स्वस्थ हो सकता हूँ और स्वस्थ ही रहूँगा। इस शिविर में शरीर शुद्विकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्विकरण किया गया हैं, हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि हम स्वस्थ है और हमेशा स्वस्थ रहेंगें, यदि हम ऐसे सकारात्मक विचार रखते है, तो हम कभी भी बीमार महसूस नहीं करेंगें। आप इस स्थान से स्वस्थ हुए हैं आप अपने परिजनों को प्रेरित करें ताकि वह भी स्वस्थ जीवन जीने की कला सीख कर सदैव के लिए स्वस्थ हो जाएं।

भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में बनेगा परशुराम धाम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान परशुराम जयंती पर महू में हुआ परशुराम प्रकटोत्सव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर जिले में महू के निकट जानापाव सनातन संस्कृति के सात चिरंजीवियों में से एक भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली है। भारत भूमि पर यह एक अद्वितीय स्थल है। जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा, भगवान परशुराम ने शस्त्र उठाए और अधर्मियों का समूल नाश कर दिया और सनातन संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने सनातन समाज को निर्भय होकर जीने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान परशुराम जयंती पर महू में परशुराम प्रकटोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने कहा कि जानापाव में परशुराम धाम विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय

राज्यमंत्री महिला बाल विकास मंत्रालय श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्यसभा सदस्य श्रीमती कविता पाटीदार, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्री गोलू शुक्ला सहित साधु-संत तथा बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण के काल तक भगवान परशुराम के पराक्रम और उनके शस्त्रों की महत्ता दिखाई देती है। भगवान श्रीकृष्ण के काल में भगवान परशुराम के सुदर्शन चक्र की लीला देखने को मिली। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना प्रिय सुदर्शन चक्र भगवान श्रीकृष्ण को दिया था। भगवान परशुराम कौरव-पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य के भी गुरु थे। उन्होंने निडर होकर धर्म की रक्षा का संदेश दिया ।

धर्म और संस्कृति को पल्लवित कर रही प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत भूमि पर देवी-देवताओं की कृपा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। केंद्र सरकार देश की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो पर आधारित है। प्रदेश में सनातन संस्कृति के विकास के लिए राज्य सरकार ने गीता भवनों के निर्माण का संकल्प लिया है। राज्य सरकार धर्म और संस्कृति को पुष्पित-पल्लवित करते हुए आगे बढ़ रही है। गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए 4 मिशन शुरू किए गए हैं। किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में एक-एक खेत तक सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश में 2 वृहद नदी जोड़ो परियोजनाओं केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल की शुरुआत हो चुकी है। अब बुंदेलखंड, चंबल, निमाड़ और मालवा के कई जिलों के किसानों को पर्याप्त पानी मिलेगा।

सांध्य सुषमा

भोपाल। इन दिनों राजधानी में मौसम बदला हुआ है। आसमान पर बादलों के बीच सुबह का नजरा गुरुवार को इस तरह नजर आया। छायांकन - जगदीश कौशल, भोपाल

द्वारका धाम में फिट इंडिया क्लब ओपन जिम का किया लोकार्पण

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 75 द्वारका धाम में फिट इंडिया क्लब के तहत निर्मित ओपन जिम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं युवा मौजूद रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ओपन जिम की स्थापना से क्षेत्रवासियों को नि:शुल्क फिटनेस सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे व्यस्त जीवन में भी स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकें। कार्यक्रम के बाद बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने जिम उपकरणों का उत्साहपूर्वक उपयोग भी किया।

श्रमदान, दीवार लेखन चौपाल के जरिये दे रहे हैं जल संरक्षण का संदेश

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को मध्यप्रदेश की धरा पर साकार करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण के विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। इस अभियान की शुरूआत प्रदेश में 30 मार्च से की गयी है। यह 30 जून तक चलेगा। अभियान के जरिये श्रमदान, दीवार लेखन और चौपाल लगाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल संरक्षण की विभिन्न गतिविधियाँ की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरुप उज्जैन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण और संवर्धन के लिये निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

अभियान में प्राचीन जल स्त्रोत जैसे बावड़ी, तालाब, कुएं आदि का जीर्णोद्धार कार्य तो किया ही जा रहा है, साथ ही भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए रिचार्ज पिट का निर्माण भी किया जा रहा है। बुधवार को महिदपुर के ग्राम चितवालियाखेडा और भादवा में खेत, तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशन में ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्था के कार्यकर्ताओं ने पांढुर्णा विकासखंड के ग्राम गूजरखेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामवासियों के साथ सहभागिता करते हुए ग्राम की पहाड़ी पर वर्षा जल संरक्षण के लिये खंतियाँ खोदकर श्रमदान किया गया। ग्राम पंचायत परिसर में श्रमदान एवं पानी के महत्व को लेकर संवाद हुआ। संस्था निदेशक श्री विजय धवले, सरपंच संगीता धुर्वे, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्यवक दिलीप आठनेरे, सामाजिक कार्यकर्ता राजू वरुड़कर, संस्था के नालम प्रकल्प के कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता खोड़े, सविता पाटिल एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्रमदान के बाद जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला छिंदवाड़ा विकासखंड अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान में जिला समन्वयक श्री अखिलेश कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक संजय बामने के नेतृत्व में मंगलवार को ग्राम पंचायत चीखलमऊ में जल को सहेजने के लिए, बीएसडब्ल्यू छात्रा सलोनी कुमरे द्वारा अपने प्रायोगिक ग्राम चिखलमऊ में जल संरक्षण करने के लिए दीवार लेखन का कार्य किया गया और जल के प्रति ग्रामीणों को जागरूक कर जल को बचाने के लिये शपथ ग्रहण भी दिलायी गई।

स्वास्थ्य सुविधाओं के कार्यों को शीघ्र समय सीमा में पूर्ण करें: शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने की सतना और मैहर जिले के स्वास्थ्य संस्थाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के विस्तार के कार्यों में एक दिवस का विलम्ब भी नहीं किया जाना चाहिए। सतना और मैहर जिले में स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण के 211 करोड 74 लाख रूपये लागत के कार्य चल रहे हैं। इन्हें समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाये। जिला अस्पताल में 25 करोड 38 लाख रूपये की लागत से बनने वाले अस्पताल भवन का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाये। उप मुख्यमंत्री बुधवार को मेडीकल कॉलेज सतना के सभागार में सतना और मैहर जिले में स्वास्थ्य केन्द्र और चिकित्सा संस्थाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, मेडीकल कॉलेज डीन शशिधर गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला, एनएचएम के वरिष्ठ सलाहकार संजय नेमा, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के महाप्रबंधक अजय ठाकुर सहित लोक निर्माण विभाग पीआईयू के अधिकारी भी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल के भवन की ड्राइंग डिजाइन शीघ्र एप्रूव करने के साथ ही 15 मई तक निर्माण कार्य का शिलान्यास करायें। उप मुख्यमंत्री ने सतना और मैहर जिले में बन रहे जिला अस्पताल सिविल हास्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों के निर्माण के एजेंसी विभागवार समीक्षा की। बताया गया कि मध्यप्रदेश भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग पीआईयू, हाउसिंग बोर्ड और एनएचएम स्वास्थ्य विभाग द्वारा 211 करोड 74 लाख 67 हजार रूपये लागत के 120 निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं। इनमें मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा 47 करोड 28 लाख रूपये लागत के 4 कार्य, लोक निर्माण विभाग पीआईयू द्वारा 75 करोड 52 लाख रूपये लागत के 14 कार्य, हाउसिंग बोर्ड द्वारा 22 करोड 88 लाख रूपये लागत के 4 कार्य तथा एनएचएम द्वारा 66 करोड 5 लाख रूपये लागत के 6 मदों में 94 उप स्वास्थ्य केन्द्र दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्टाफ क्वार्टर सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिगना और बदेरा का निर्माण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्र और संस्थाओं के जो काम पूर्ण हो चुके है उनका लोकार्पण कराये।

उप मुख्यमंत्री ने किया नर्सिंग कॉलेज के भवन निर्माण का शिलान्यास

भोपाल। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि सतना मेडीकल कॉलेज के लिए 650 बेडेड सुपर स्पेशलियटी हास्पिटल के निर्माण के लिए 383 करोड रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इसके साथ ही मेडीकल कॉलेज परिसर में 14 करोड 80 लाख रूपये की लागत से बनने वाले नर्सिंग कॉलेज सतना मेडीकल कॉलेज को सम्पूर्णता प्रदान करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल बुधवार को सतना मेडीकल कॉलेज कैंपस में 14 करोड 80 लाख रूपये की लागत से बनने वाले नर्सिंग कॉलेज के भवन के निर्माण कार्य के शिलान्यास अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, पूर्व विधायक ऊषा चौधरी, शंकरलाल तिवारी, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, डीन मेडीकल कॉलेज शशिधर गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा के आकस्मिक निधन पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने व्यक्त किया शोक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा के आकस्मिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। श्री शुक्ल ने कहा की प्रखर वक्ता, युवा साथी श्री नरेंद्र सलूजा के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत ही दुखद और स्तब्धकारी है।श्री सलूजा का मृदुभाषिता, सरलता और सहजता उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा रहा, संगठन के प्रति उनका समर्पण सदैव याद किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को यह अथाह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

मप्र में 4 महीने पहले आईपीएस बने 4 अफसरों को 9 साल पुरानी सीनियरिटी मिली

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य पुलिस सेवा से प्रमोट होकर 4 महीने पहले आईपीएसबने चार अफसरों को नौ साल पुरानी सीनियरिटी मिली है। केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि इन अफसरों को 9 साल पहले यानी 2016 बैच के आईपीएस अफसरों के बराबर वरीयता दी जाएगी। इसका मतलब ये है कि इनकी सीनियरिटी 9 साल पहले वाले आईपीएस अफसरों के बराबर मानी जाएगी। बता दें कि राज्य पुलिस सेवा के चार अफसर भारतीय पुलिस सेवा में

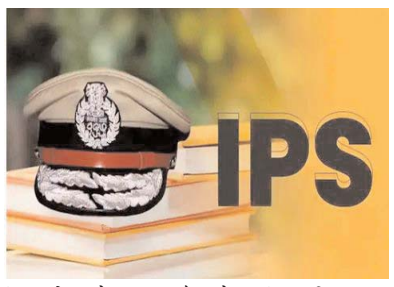

चयनित हुए थे। राज्य पुलिस सेवा के 1995 बैच के अधिकारी प्रकाश सिंह परिहार और 1997 बैच के दिलीप कुमार सोनी,अवधेश प्रताप सिंह और राजेंद्र कुमार वर्मा तू इस साल आईपीएस अवार्ड हुआ था जिसका नोटिफिकेशन 2024 में हुआ है। लेकिन अब इनकी सीनियरिटी 2016 की मानी जाएगी। सरकारी नौकरी में जितना पुराना बैच, उतनी ज्यादा सीनियरिटी होती है। इसका फायदा प्रमोशन और पोस्टिंग में मिलता है। साथ ही वेतनमान में भी इसका फायदा मिलता है। अब ये अफसर 2016 बैच के आईपीएस माने जाएंगे, यानी 2017 या बाद के बैच वालों से ऊपर रहेंगे। ऐसे में इस नई वरिष्ठता के तहत अब ये चारों अधिकारी मध्यप्रदेश कैडर की आईपीएस सीनियरिटी सूची में 2016 बैच के डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के नीचे और 2017 बैच के आईपीएस अंकित सोनी के ऊपर स्थान पाएंगे। इन चारों अधिकारियों को चार महीने पहले ही आईपीएस कैडर आवंटित किया गया है।

मप्र में एकीकृत पेंशन योजना को लागू करने के लिए 5 आईएएस सहित 6 अधिकारियों की समिति गठित

भोपाल। एकीकृत पेंशन योजना को लागू करने के लिए 5 आईएएस सहित 6 अधिकारियों की समिति गठित की गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना लागू करने के संबंध में एक समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल अध्यक्ष, प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, सचिव लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट सुश्री तन्वी सुन्दियाल, उप सचिव अजय कटेसरिया, सदस्य होंगें। संचालक पेंशन म.प्र. जे.के. शर्मा, को सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में अंकित अधिकारियों के स्थानांतरण अथवा सेवानिवृत्ति अथवा अन्य कारणों से उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में समिति के सदस्यों में आंशिक परिवर्तन करने के लिए वित्त विभाग के भार साधक सचिव को अधिकृत किया गया है।

भगवान परशुराम धर्म की स्थापना और न्याय के लिए लड़े: आलोक शर्मा

बागेश्वर पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री के नेतृत्व ने 5 जून को सामाजिक समरसता कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव अक्षय तृतीया पर भोपाल के प्राचीन गुफा मंदिर प्रांगण में सर्व ब्राह्मण समाज एवं परशुराम कल्याण बोर्ड द्वारा भव्य आयोजन किया गया। ब्राह्मण समाज द्वारा यहाँ विराजमान 21 फीट ऊंची भगवान परशुराम की विशाल प्रतिमा पर सुबह 8 बजे से विशेष पूजन और सहस्त्र धारा से अभिषेक किया गया। इसके उपरांत परशुराम की संगीतमय महाआरती की गई। पूजन वैदिक ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से संपन्न कराया गया। गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा, दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, पं. विष्णु राजौरिया, राकेश चतुर्वेदी, रामकुमार देवलिया सहित समस्त ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारीगण, सामाजिक बंधु और मातृशक्ति उपस्थित हुए। सप्तर्षि सम्मान में कवि एवं साहित्यकार गौरीशंकर शर्मा, पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर एवं राजेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा लव जिहाद के मुद्दे पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लव जिहाद बर्दाश्त नहीं करेंगे। जो भी ऐसे कृत्य करेगा उसे छोड़ा नहीं जाएगा। सांसद शर्मा बोले कि समाज में जागरूकता अभियान चलाएंगे। शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज की बेटियों को टारगेट करके लव जिहाद के जाल फंसाया जा रहा है। सब सचेत हो जाएं। सांसद शर्मा ने लव जिहाद के खिलाफ समस्त समाज बंधुओ से संकल्प भी कराया। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि पुराने भोपाल के ईदगाह हिल्स, चौक क्षेत्र और कोहेफिजा सहित कई क्षेत्रों से हिंदू परिवार पलायन कर चुके हैं। यहां लगातार मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, और हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है। हिंदुओं का पलायन रोकने के लिए पांच जून को हिन्दू सामाजिक समरसता कार्यक्रम होने जा रहा है। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री भोपाल आ रहे है। सांसद शर्मा ने हिंदुओं को चेताया कि सब हिंदू एक हो जाएं, हिंदुओं की आबादी लगातार घट रही है। सांसद शर्मा ने कहा कि लव जिहाद रोकने सनातनी महिलाओं का गरबा स्थल अलग होना चाहिए। इसकी व्यवस्था करेंगे।

निर्माण में तेजी लाकर समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराएं: राकेश सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने किया इंदौर जिला न्यायालय भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को इंदौर के पीपल्या हाना क्षेत्र में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन का भौतिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण में उन्होंने कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह परियोजना शासन की प्राथमिकताओं में है तथा इसे तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जायें। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन में हो रही देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। सभी डिजाइन एवं ड्राइंग 7 मई तक आर्किटेक्ट से प्राप्त करें। अन्यथा अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जाएं। उन्होंने निर्माण सामग्री के अनुमोदन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि अप्रूवल में विलंब के कारण निर्माण कार्य में रुकावट आती है, तो संबंधित अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री श्री सिंह ने पुनरीक्षित एस्टीमेट के अनुमोदन की प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा ठेकेदार के रनिंग बिलों के शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए, जिससे निर्माण

कार्य की गति बनी रहे। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इंदौर के मुख्य अभियंता (भवन) निर्माण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा स्वयं करें और प्रमुख अभियंता के माध्यम से प्रत्येक सोमवार को निर्माण की प्रगति रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएं। साथ ही इस रिपोर्ट की एक प्रति उनके विशेष सहायक को भी भेजी जाए। मंत्री श्री सिंह ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि कम से कम 2 शिफ्टों में कार्य किया जाए और पर्याप्त मैन पॉवर तैनात रहे। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य की प्रगति का विश्लेषण साप्ताहिक आधार पर पर्ट चार्ट के माध्यम से करने के भी निर्देश दिए गए ताकि संभावित अवरोधों की पूर्व पहचान कर उनके निराकरण की योजना बनाई जा सके। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह द्वारा पहले ली गई बैठक में निर्देश दिए गए थे कि निर्माण कार्य को प्रतिदिन 3 शिफ्टों में संचालित किया जाए तथा कार्य की सतत निगरानी हेतु निर्माण स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। साथ ही, निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु प्रयोगशाला में सभी आवश्यक परीक्षण उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस आर बघेल, मुख्य अभियंता श्री सुरेंद्र राव गोरखेडे के साथ इंदौर लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर कंसलटेंट एवं ठेकेदार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम राष्ट्र है। प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सांसद, राजनीतिक दल और देश के औसत नागरिक उसके हिस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलगाम नरसंहार हमारे भारत की आत्मा, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकियों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो को भी शामिल किया गया है। 10 आतंकियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में विस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई।

जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रारूपों पर विमर्श हुआ होगा! दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये सरीखे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की फितरत और हकीकत जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाई नहीं देती हैं? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री का सर्वदलीय बैठक में न आ पाना कोई बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किग्रा आरडीएक्स विस्फोटक पर बार-बार सवाल करने का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है। घटना 1984 की है, लिहाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके आधिकारिक आवास में हत्या को सबसे अहम सुरक्षा चूक करार देना आज न तो प्रासंगिक है और न ही उचित समय है। यह युद्ध की संभावनाओं पर सोचने और रणनीति तैयार करने का समय है। एक अंतरराष्ट्रीय शोध रपट के मुताबिक, यदि भारत-पाक में पूर्ण युद्ध छिड़ा, तो भारत का नुकसान 0.65 फीसदी और पाकिस्तान का 0.95 फीसदी होगा। युद्ध की कीमत और प्रभाव की भरपाई में भारत को 7.5 साल और पाकिस्तान को करीब 10 साल लग सकते हैं। इसमें परमाणु युद्ध के नुकसान और असर शामिल नहीं हैं। बेशक पाकिस्तान पर फिलहाल 13085 करोड़ डॉलर का कर्ज है। पाकिस्तान की जीडीपी का 65.7 फीसदी कर्ज है। कल्पना कीजिए कि युद्ध के फलितार्थ क्या हो सकते हैं? कांग्रेस आश्वस्त रहे कि जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह व्यापक और निर्णायक होगा।

1 मई मजदूर दिवस विशेष

नई चार नवीन श्रम संहिताएं कब लागू होंगी

सांध्यप्रकाश विशेष
जी. के. छिब्बर

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि और औद्योगिक विकास में उद्योग और श्रम की भूमिका ही महत्वपूर्ण होती है श्रम और पूंजी का समन्वय और संतुलन रोजगार का निर्माण करता है देश में अनुमानित 40 करोड़ की श्रम शक्ति है जिसमे 92 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र में है जो श्रम कानूनों एवम के सामाजिक कल्याण के लाभों से वंचित है जो चिंता का विषय है सरकार द्वारा श्रम सुरक्षा और कल्याण की योजना बनाना तो आसान है परन्तु उसके क्रियान्वयन पर गंभीरता नहीं है केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार उनके श्रम विभाग उपेक्षित ही है उन्हे समुचित फंड आबंटित नही किए जाते इतना ही नहीं श्रम विभागों में समुचित अधिकारी और स्टाफ ही नहीं है की देश के श्रमिको की समस्या का विवादो का समाधान कर सके श्रम सुधारो की चर्चा पांच वर्षो से हो रही है परंतु श्रमिको को कोई राहत नहीं मिल पा रही है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडविया ने चार नवीन श्रम संहिता को लागू करने का के संकेत जून 2024 दिए थे जबकि केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता देवरा ने 20 जून 24 को सभी राज्यों के श्रम सचिव और श्रमायुक्त की बैठक भी आहूत की थी श्रम सुधार शीघ्र लागू हो इस पर संबंधित पक्षों से विचार विमर्श किया था परंतु अप्रैल 2025 भी निकल गया अभी तक श्रम सहिंताए लागू किए जाने पर कोई विचार नहीं हुआ है जो विचारणीय विषय है अनेक श्रमिक संघ नए चार श्रम विधानों का विरोध कर रही है उनका कहना है कि यह श्रम संघ के अधिकारों में कटौती कर रहा है श्रमिक अधिकारों के विरोधी कानून है इसी तरह बीजेपी आरएसएस समर्थित भारतीय मजदूर संघ ने भी उप जीविकाजन्य सुरक्षा स्वास्थ और कार्यदशा संहिता 2020 औद्योगिक

संबंध संहिता 2020 पर पुनर्विचार करने को कहा था वेतन संहिता 2019 एवम सामाजिक सूरक्षा 2020 लागू करने को कहा था स्व रोजगार महिला संघ की और से कहा गया था की इन चारो कानूनों में असंगठित श्रमिक क्षेत्र के श्रमिको के लिए समुचित प्रावधान नहीं है प्रवासी श्रमिको के अधिकारों की उपेक्षा की गई है आउट सोर्सिंग और ठेकेदारी प्रथा का बढ़ता स्वरुप शोषण है

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा 2014 से ही श्रम सुधारो के लिए संकल्पित थी श्रम संगठनों की अनेक अपत्तियां थी जिसमें वेतन शर्तों एवं छंटनी, बंदीकरण के प्रावधानों में बदलाव की बात कही गई है नए वेतन संहिता के अनुसार, सीटीसी का 50 प्रतिशत मूल वेतन, शेष भत्ते रखे जाने का प्रावधान था, परंतु इसमें बदलाव की मांग है। अब नियुक्ति के 3 वर्ष तक 30 प्रतिशत मूल वेतन एवं तथा शेष 70 प्रतिशत अन्य भत्ते हो सकेंगे। तीन वर्ष पश्चात मूल वेतन 50 प्रतिशत रहेगा शेष 50 प्रतिशत अन्य भत्तों हो सकेंगे। मूल वेतन में महंगाई भत्ता एवं रिटेनिंग एलाउन्स शामिल रहेगा, परंतु मकान भाड़ा एवं ओव्हर टाईम शामिल नहीं होगा। इससे कर्मचारियों की भविष्य निधि में फायदा होगा, तथा सेवा समाप्ति अथवा रिटायरमेंट के समय ग्रेच्युटी भी ज्यादा मिलेगी। कर्मचारियों की छंटनी के लिए भी अब 300 कर्मचारियों के संस्थान की सीमा 100 कर्मचारी पूर्व की तरह किए जाने का विचार किया जा रहा है। इसी तरह बंदीकरण या कारोबार के बंद करने पर 100 से ज्यादा कामगार नियोजित होने पर शासन से अनुमति लेना आवश्यक होगी। यह प्रावधान पूर्व की तरह है। यदि ऐसा होगा तो यह श्रमिकों की सेवा सुरक्षा के लिए लाभकारी होगा। जो चार नवीन श्रम संहिताएं (1) मजदूरी संहिता 2019

(2) औद्योगिक संबंध 2020

(3) उप जिविकाजन्य सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020

(4) सामाजिक सुरक्षा सेवा शर्तें एवं संहिता 2020

इन चारो नवीन सहिंताओ में वेतन की एक ही परिभाषा होगी। औद्योगिक प्रतिष्ठानों को अब केवल 2 पंजीकाएं ही रखना होगी। पूर्व में 37 पंजीकाएं रखना होती थी। अब निरीक्षक भी एक ही होगा। कर्मचारियों को भी अपने विवादों को सीधे न्यायालय में दायर करने का प्रावधान किया गया है। पूर्व में शासन के श्रम विभाग सुलह वार्ता के उपरांत विवाद श्रम न्यायालय में संदर्भ करते थे। नई प्रावधानों के अनुसार श्रम न्यायालय समाप्त कर औद्योगिक न्यायाधिकरण गठित किए जाएंगे जिसमें जिला न्यायाधीश के समकक्ष पीठासीन अधिकारी एवं एक प्रशासनिक सदस्य रहेगा।

सबसे ज्यादा विसंगति यह होगी है कि वेतन भुगतान एवं श्रमिक क्षतिपूर्ति के विवाद सहायक श्रमायुक्त को सुनवाई के लिए अधिकृत किए जा रहे हैं, जिसमें श्रमिक संगठनों एवं अधिवक्ता संघों को आपत्ति है। केंद्र सरकार इन श्रम सुधारों को 2021 में ही लागू करना चाहती है। परंतु चार वर्ष से भी अधिक हो गए है अभी भी स्पष्ट नहीं है की ये चारो श्रम कानूनों को कैसे लागू कर पाएगी क्योंकि अभी तक कोई आधारभूत ढांचा औद्योगिक न्यायाधिकरण का भी नहीं बना है।

वर्तमान में श्रम न्यायालयों में भी पीड़ित श्रमिक त्वरित न्याय से वंचित है न्याय प्राप्त करने में वर्षो लग रहे हैं श्रम न्यायालयों की स्थापना का उद्देश ही समाप्त हो गया है

केंद्र सरकार कृषि कानूनों को लागू करने में किसान आंदोलनों के कारण सफल नही रही इसी कारण भी जल्दबाजी नही कर रही है 2024 के चुनावों का इन्तजार कर रही थी अब बीजेपी का बहुमत नहीं है एनडीए की गठबंधन की सरकार है घटक दल कितने सहमत होंगे अथवा कुछ बदलाव करेंगे या नहीं यह विचारणीय विषय है।

सरकार द्वारा कहा तो जा रहा की सभी श्रम कानून संतुलित है जिसमें श्रमिको एवम नियोक्ताओं के हितों को समान संरक्षण दिया गया है लेकिन विपक्ष इसे भी श्रमिक विरोधी बना कर एक बड़ा विमर्श खड़ा कर सकता है जो मोदी सरकार (तीन)के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है इसलिए केंद्र सरकार असमंजस में है।

(लेखक श्रम कानून विशेषज्ञ और स्तंभकार है)

भारत – कनाडा के बीच नए रिश्तों का दौर

एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। बहरहाल, कार्नी के कनाडा की सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षो में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ।

प्रतिदिन विचार राकेश दुबे

लगता है अब कनाडा और भारत के रिश्त सुधार जायेगे। कनाडा के आम चुनावों में मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत भारत से संबंधों में सुधार के नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के दौरान कार्नी कहते रहे हैं कि आने वाले समय में भारत से बेहतर रिश्ते बनेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दुराग्रह और पृथक्तावादियों के दबाव के चलते भारत कनाडा संबंध अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गए थे। कार्नी की जीत से उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लौटेंगे। दरअसल, एक अपरिपक्व राजनेता की तरह जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर प्रकरण को जिस तरह तूल दिया, उसके चलते दोनों देशों के संबंध बेहद खराब स्थिति में पहुंचे। हालांकि, भारत सरकार ने निज्जर प्रकरण में हाथ होने के दावों का दृढ़ता से खंडन किया था। इसके बावजूद दोनों देशों के राजनीतिक, आर्थिक संबंध और लोगों के आने-जाने का उपक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ था। निस्संदेह, कार्नी का फिर सत्ता में लौटना संबंधों में सुधार का स्पष्ट संकेत है। वे अपने पूर्ववर्ती के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित आर्थिक विशेषज्ञ, व्यावहारिक राजनेता और बयानों में संतुलन रखने वाले व्यक्ति हैं। दरअसल, हाल के चुनावों में उनका 'मजबूत कनाडा, मुक्त कनाडा' का नारा खूब चला। ट्रंप के टैरिफ वार और बार-बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बयानों ने कनाडा के लोगों में असुरक्षा का भाव भर दिया। कनाडाई जनमानस को पढ़ने में सक्षम कार्नी ने इस मुद्दे को हथियार बनाकर पार्टी की सत्ता में वापसी करा दी।

अन्यथा कुछ समय पूर्व पार्टी के पराजय को लेकर दावे किए जा रहे थे। दरअसल, उन्होंने कनाडा को मजबूत करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बहाल करने की बात कही ताकि घरेलू स्थिरता को मजबूत किया जा सके। निश्चित रूप से कार्नी का यह दृष्टिकोण व्यापारिक, रणनीतिक व लोगों को जोड़ने की दृष्टि से भारत के लिये महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। बहरहाल, कार्नी के कनाडा की सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षो में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ।

वीजा में देरी, पढ़ाई के बाद काम की चिंता और कथित रूप से कटुतापूर्ण माहौल ने एक सपनों के गंतव्य स्थल की छवि को धूमिल ही किया। बदले हुए हालात में कार्नी प्रशासन को इस वर्ग को आश्वस्त करने के लिये तेजी से काम करना होगा। वह वर्ग जो कनाडाई अर्थव्यवस्था में अरबों का योगदान देता है तथा उसके कुशल कर्मियों की संख्या को बढ़ाता है। भारत को पिछली कटुता को भुलाकर बेहतर संबंधों हेतु उदारता का परिचय देना चाहिए। आने वाला वक्त बताएगा कि कार्नी प्रशासन खालिस्तानी उग्रवाद और प्रवासियों संबंधी कट्टरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को कितने बेहतर ढंग से संभालता है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव और अमेरिकी राजनीति में अनिश्चितता के बावजूद भारत व कनाडा के बीच जलवायु संबंधी मुद्दों, शिक्षा और डिजिटल नवाचार में गहरी भागीदारी की संभावना पैदा हुई है। कार्नी की जीत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने की उम्मीद विश्वास में बदल सकती है। पूर्व बैंकर रहे कार्नी ने गत सोमवार को भारत व कनाडा के रिश्तों को बहुत महत्वपूर्ण बताया था, और भरोसा दिलाया था कि अगर वे दोबारा प्रधानमंत्री बनते हैं तो दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही एक चैनल से कहा कि रिश्तों में जो तनाव पैदा हुआ वो हमारी वजह से नहीं हुआ। एक-दूसरे के प्रति सम्मान के साथ इसे फिर से बहाल करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि वैश्विक अस्थिर अर्थव्यवस्था के बीच भारत व कनाडा इसे नया रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नफरत की ये आग कब बुझेगी ?

निर्मल रानी

जम्मू और कश्मीर में पहलगाम से लगभग पांच किलोमीटर दूर प्राकृतिक आकर्षण का केंद्र रहे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैसरन घाटी में गत 22 अप्रैल को पांच-छः सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा निहत्थे व बेगुनाह पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गयी जिसमें 27 लोगों की जानें चली गयीं जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। प्राप्त समाचारों के अनुसार इस दुर्दांत आतंकी हमले की ज़िम्मेदारी पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के ही एक छाया संगठन द रेज़िस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ़) ने स्वीकार की है। पाकिस्तान में पनाह पाने वाले विभिन्न आतंकी संगठन गत तीन दशकों से भी लंबे समय से भारत में आतंकी हमले करते रहे हैं। पाकिस्तान में अनेक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। इनमें कई संगठनों के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतिबंध भी लगाए गये हैं। इन आतंकियों द्वारा जहां घाटी में सैनिकों व आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता रहा है वहीँ इन्होंने कश्मीर के बाहर भी 26/11 जैसा बड़ा हमला अंजाम दिया। इतना ही नहीं बल्कि अक्षर धाम,जम्मू,वाराणसी,अयोध्या जैसे देश के कई प्रमुख मंदिरों को भी इन आतताइयों ने नहीं बख़्शा। मंदिरों पर इनके हमले का उद्देश्य हमेशा से स्पष्ट रहा है कि यह अपनी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर भारत में साम्प्रदायिक विभाजन कराना चाहते थे। परन्तु पूर्व की सरकारों ने सूझवान भारतीय जनता के सहयोग से पाकिस्तानी आतंकियों के ऐसे नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होने दिये।

निश्चित रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम के बैसरन घाटी के हमले का भी मक़सद भारत में साम्प्रदायिक उबाल पैदा करना था। तभी आतंकियों ने 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस तरह की सबसे घातक घटना को अंजाम दिया। परन्तु इस हमले के दौरान और इसके फ़ौरन बाद से ही घाटी के स्थानीय लोगों द्वारा इस हमले का जिस स्तर पर विरोध किया गया और पर्यटकों की जिसतरह सहायता की गयी उससे आतंकियों के इरादों पर एक बार फिर पानी फिर गया। इनमें एक नाम जो सबसे अधिक सुर्ख़ियों में रहा वह था पहलगाम के नज़ाकत अहमद शाह का, जिन्होंने अपनी बहादुरी और सूझबूझ से 11 पर्यटकों की जान बचाई। नज़ाकत अहमद शाह ने छत्तीसगढ़ के 11 लोगों के जीवन को बचा लिया। जिनकी जान नज़ाकत अली उर्फ़ नज़ाकत अहमद शाह ने बचाई उनमें मुख्यतः छत्तीसगढ़ के चार परिवार के

लोग शामिल हैं। इसमें बीजेपी युवा मोर्चा के नेता अरविंद अग्रवाल, कुलदीप स्थापक, बीजेपी पार्षद पूर्वा स्थापक, पूर्व पार्षद शिवांश जैन और हैप्पी बाधवान का परिवार तथा कई बच्चे शामिल है। स्वयं भाजपा नेता अरविंद अग्रवाल ने नज़ाकत अली के साथ अपनी फ़ोटो पोस्ट सोशल मीडिया साइट एक्स पर साझा कर उनकी मदद की तारीफ़ करते हुये लिखा कि -आपने अपनी जान दांव पर लगा कर हमारी जान बचाई। हम नज़ाकत भाई का एहसान कभी नहीं चुका पाएंगे। अरविंद अग्रवाल ने यह भी लिखा कि जब मेरी पत्नी के कपड़े फट गए तो कश्मीरी मुस्लिम ने अपना कुर्ता दे दिया था।

इसी तरह पहलगाम की एक पर्यटक शिवांशी जैन ने बताया कि जब गोली चलने लगी तो उनके साथ कश्मीर के व्यवसायी नज़ाकत अली ने सामने आकर सभी को बाहर निकाला। जब आतंकी गोलियां बरसा रहे थे उस समय नज़ाकत सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर ले गए। नज़ाकत अली ने जो मानवता और कश्मीरियत की मिसाल पेश की है उससे चिरमिरी (छत्तीसगढ़) वासी गदगद हैं। ग़ौरतलब है कि कश्मीर के नज़ाकत प्रत्येक वर्ष सर्दियों में कश्मीरी शॉल और गर्म कपड़े बेचने हेतु चिरमिरी आते रहे हैं। उनका पूर्व पार्षद शिवांश जैन से घनिष्ठ संबंध बना हुआ है। इसी नाते जब चिरमिरी के 11 लोग पहलगाम पहुंचे थे तो नज़ाकत अली ने ही उन्हें वादियों की सैर कराने की ज़िम्मेदारी ली थी। और आतंकी हमला होने पर नज़ाकत अली ने ही अपनी बहादुरी से छत्तीसगढ़ के इन मेहमान पर्यटकों की जान बचाई।

बहादुरी की मिसाल पेश करने वाले ऐसे ही एक और कश्मीरी युवक का नाम था सैयद आदिल हुसैन शाह। आदिल एक पेशेवर स्थानीय घुड़सवार था जो पर्यटकों को कार पार्किंग क्षेत्र से पहलगाम के बैसरन घास के मैदान तक ले जाया करता था। आतंकी हमले के दौरान आदिल ने असाधारण वीरता व साहस का परिचय दिया। जब आतंकी हमला शुरू हुआ, तो सैयद आदिल अपने साथ लाये गये पर्यटकों की जान बचाने के मक़सद से एक हमलावर की बंदूक़ के सामने पर्यटक की ढाल बनकर खड़े हो गये। आदिल के इसी साहसी प्रयास में आतंकियों ने उसे गोली मार दी। और आदिल मौक़े पर ही मारा गया। पूरी घाटी में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सैयद आदिल हुसैन शाह की बहादुरी व उसकी शहादत व कर्तव्य की चर्चा हो रही है। इसतरह की और भी अनेक घटनाएं जो बैसरन घाटी हमले के बाद सामने आईं जिनसे पता चलता है कि किसतरह अनेक स्थानीय लोगों ने देश के विभिन्न इलाक़ों से आने वाले पर्यटकों को अपने घरों में सुरक्षित पनाह दी। उन्हें सभी ज़रूरी चीज़ें मुफ़्त मुहैय्या कराईं। और निश्चित रूप से यह घाटी के स्थानीय लोगों का पर्यटकों के प्रति प्रेम व विश्वास ही था जिसके चलते इतनी बड़ी आतंकी घटना के बावजूद घाटी विशेषकर पहलगाम का पर्यटन इतनी जल्दी काफ़ी हद तक पुनः पटरी पर आ सका।

आतंकवादियों ने अपनी तरफ़ से भारतीय समाज में नफ़रत फैलाने में हालांकि कोई कसर नहीं छोड़ी परन्तु यह भी सच है कि यह पाक प्रायोजित आतंकवाद की पहली ऐसी बड़ी घटना थी जिसने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। कश्मीर घाटी में जगह जगह आतंकवाद विरोधी प्रदर्शन हुये। पूरे देश की मस्जिदों में पहलगाम हमले पर अफ़सोस जताया गया तथा इस अमानवीय कृत्य को शैतानी व राक्षसी कृत्य बताया गया। हर तरफ़ से एक स्वर में हमले में मारे गये लोगों के साथ एकजुटता का प्रदर्शन किया गया। सोशल मीडिया पर हज़ारों ऐसी पोस्ट डाली गयीं जिससे देश में भाईचारे क़ायम रह सके। विपक्ष ही नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के भी कई ज़िम्मेदार नेताओं ने इस संकटकालीन घड़ी में देश में एकजुटता बनाये रखने की अपील की।

परन्तु इन सब के बावजूद देश में कई स्थानों पर ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं भी हुईं जो निःसंदेह आतंकियों के घिनौने मक़सद को पूरा करने वाली थीं। कई जगह उपद्रवियों द्वारा कहीं अल्पसंख्यक समाज के किसी व्यक्ति पर हमला किया गया तो कहीं उनके व्यवसायिक ठिकाने को आग लगा दी गयी। कहीं बाज़ारों में रेहड़ी पटरी दुकानदारों को उनका धर्म देखकर दुकान नहीं लगाने दी गयी तो कहीं ऐसी ठिकानों की पहचान कर वहां तोड़ फोड़ की गयी। हद तो यह है कई जगह छात्रावास में रह रहे कश्मीरी छात्रों को मारा पीटा गया व उन्हें अपमानित किया गया। ऐसी शर्मनाक घटनाओं की भी जितनी निंदा की जाये वह कम है। यह देश के अमन पसंद लोगों को सुनिश्चित करना होगा कि आख़िर नफ़रत की ये आग कब बुझेगी ?

कार्य की सिद्धि केवल इच्छा से नहीं वरन् कठिन परिश्रम से होती है

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि मई की पहली तारीख यानी 1 मई को को दुनिया भर के श्रमिकों और मजदूरों को समर्पित अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस या अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस मनाया जाता है। यह दिन मजदूरों के लिए मनाया जाता है। ये दिन उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित करता है। योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि जब आप ठहरे पानी में पत्थर फेंकते हैं तो नहीं जानते उसकी लहरें कितनी दूर तक जाएंगी। अकसर जब हम मुश्किलों का सामना करते हैं तो मनुष्य के रूप में कोई देवता हमें प्रेरित करता है और रास्ता दिखलाता है। ऐसा समय आता है, जब हम अपनी ही क्षमताओं पर विश्वास नहीं कर पाते, लेकिन उस दौरान प्रोत्साहन के शब्द हमें आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। आज हम जहां भी हैं, वहाँ इसलिए है कि जीवन के किसी मोड़ पर किसी ने हम पर इतना विश्वास किया था, जितना कि हम भी खुद पर नहीं करते थे। अब हमारी बारी है कि दुनिया के लिए वह करें, जो दुनिया ने हमारे लिए किया था। अगर वे विश्वास की खोज कर रहे हैं तो हम उन्हें भरोसा दिला सकते हैं। अगर ने प्रेरणा की तलाश कर रहे हैं तो हम उनके लिए प्रेरणा बन सकते हैं। जब तक उन्हें अपने पर यकीन नहीं आता, हम उनमें वह यकीन पैदा कर सकते हैं। हम सभी किसी न किसी के यहां काम करते हैं, लेकिन फिर भी हम सभी के लिए नहीं तो जीवन में आने वाले कुछ लोगों के लिए जरूर प्रेरणा बन सकते हैं। उत्सव मनाइए, आज हमरा श्रम दिवस है। कहा गया है कि कर्म ही जीवन है। कर्म के अभाव में जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता । मनुष्य को जीवनपर्यन्त कोई-न-कोई कर्म करते रहना पड़ता है और कर्म का आधार है- श्रम। यही कारण है कि प्राचीन ही नहीं आधुनिक विश्व साहित्य में भी श्रम की महिमा का बखान किया गया है।

जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए श्रम अनिवार्य है। इसलिए कहा गया है- ÷परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्हीं लोगों का जीवन सफल होता है, वे ही लोग अमर हो पाते हैं जो जीवन को परिश्रम की आग में तपाकर उसे सोने की भाँति चमकदार बना लेते हैं। परिश्रमी व्यक्ति सदैव अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहता है। उसके संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते एवं मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को पार करते हुए वह सफलता के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहता है। श्रम शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। बिना श्रम के शरीर अकर्मण्य हो जाता है एवं आलस्य घेर लेता है। परिश्रम करने के बाद शरीर थक जाता है, जिससे नींद अच्छी आती है। नींद में परिश्रम के दौरान हुई शारीरिक टूट-फूट की तेजी से मरम्मत होती है। श्रम का अर्थ लोग केवल शारीरिक श्रम समझते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। शारीरिक श्रम के साथ-साथ मन-मस्तिष्क के प्रयोग को मानसिक श्रम की संज्ञा दी गई है।

शारीरिक श्रम ही नहीं, बल्कि मानसिक श्रम से भी शरीर थक सकता है। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों को जहाँ शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता होती है, वहीं शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर, शोधकर्ता इत्यादि को मानसिक श्रम से अपने उद्देश्यों की प्राप्ति करनी पड़ती है। यदि आदिमानव श्रम नहीं करता, तो आधुनिक मानव को इतनी सुख-शान्ति कहाँ से मिलती। गहरी एवं चौड़ी नदियों के आर-पार आवागमन के लिए मजबूत पुल, लम्बी-लम्बी सड़कें, महानगर की अट्टालिकाएँ बड़े-बड़े कारखाने, बड़े समुद्री पोत, हवाई जहाज, रॉकेट, मानव की अन्तरिक्ष यात्रा इत्यादि सभी मानव के अथक श्रम के ही परिणाम हैं। अपने कठोर श्रम के ही परिणामस्वरूप मानव आज आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक रूप से अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त करने में सक्षम हो सका है। प्रायः देखा जाता है कि असफलता मिलने के बाद लोग आगे सफलता के लिए प्रयास करना बन्द कर देते हैं, किन्तु सफलता उन्हें मिलती है, जो निरन्तर प्रयासरत रहते हैं। आलसी एवं अकर्मण्य व्यक्ति जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त नहीं कर पाता। वह निरा पशु के समान अपना जीवन व्यतीत कर इस संसार से विदा हो जाता है। जीवन गीत का नाम है । जहाँ गति है, वहाँ जीवन है, जहाँ जड़ता है, वहाँ मृत्यु अर्थात् जीवित रहते हुए भी यदि कोई बिना श्रम किए निष्क्रिय होकर अपना जीवन व्यतीत करता है, तो उस व्यक्ति को मानव के स्थान पर मानव-रूपी पशु ही कहना बेहतर होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का आकस्मिक निधन, राजनीतिक जगत में शोक की लहर

बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का निधन हो गया है। निधन हार्ट अटैक से हुआ है। वह दो दिन से सीहोर में एक रिसोर्ट में गुरमीत टूटेजा की बेटी की शादी में थे। बुधवार सुबह वह सीहोर में थे तो वहां तबीयत खराब हुई। साथ में कांग्रेस के शहराध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा में थे। तभी सभी ने कहा कि आप दिखवा लो। लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। सीहोर से ही उन्होंने एसिडिटी की गोली बुलवाई और खा ली। इसके बाद फिर वह इंदौर के लिए रवाना हो गए। दोपहर तीन बजकर पांच मिनट पर वह इंदौर आए। यहां भी सभी ने कहा कि जुपिटर अस्पताल में दिखवा लो। लेकिन वह बोले घर चलेंगे।

इसके बाद वह घर पहुंचे ही थे कि थोड़ी देर में चक्कर आया और बेहोश हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें पास में खंडवा रोड स्थित गौरव अस्पताल में लेकर गए। लेकिन डॉक्टर ने वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस खबर से राजनीतिक दलों के साथ ही सिख समाज दुखी है

कमलनाथ के करीबी थे बाद में बीजेपी में गए: सलूजा काफी सौम्य व्यक्ति के रूप में पहचान रखते थे। कमलनाथ सरकार के समय वह कमलनाथ के काफी करीबी थे। लेकिन फिर दूरियां बढ़ने के बाद वह बीजेपी में चले गए और तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान के काफी करीबी रहे और साथ ही पूरे बीजेपी नेताओं से अच्छे संबंध हो गए। वह अपने टिव्ट के लिए काफी ख्यात रहे और अक्सर इन टिव्ट में वह कांग्रेस और उनके नेताओं पर चुटकियां लिया करते थे और बीजेपी प्रवक्ता के तौर पर सधी और सटीक बात रखते थे।

सलूजा का शव जुपिटर अस्पताल में: बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता रहे नरेंद्र सलूजा का शव फिलहाल विशेष जुपिटर अस्पताल में रखवाया गया है। बेटी अमेरिका में है । संभवतः उनके आने के बाद अंतिम संस्कार रीजनल पार्क मुक्तिधाम में होगा।

जैन समाज ने मनाया गुरुदेवश्री का 136 वां उपकार दिवस

छिंदवाड़ा । वैशाख सुदी दूज के शुभ दिन दिगंबर जैन मुमुक्षु समाज के साथ अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला द्वारा विविध अनुष्ठानों के साथ आध्यात्मिक सत् पुरुष गुरुदेवश्री कानजी स्वामी का 136 वां उपकार दिवस मनाकर उनके उपकारों को याद किया गया। फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया कि कार्यकम का शुभारंभ प्रातः काल की मंगल बेला पर अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय में श्री जिनेन्द्र पूजन से हुआ पश्चात स्वाध्याय भवन में गुरुदेवश्री के वीडियो सीडी प्रवचनों के माध्यम से गायक भगवान आत्मा की महिमा जानी। धर्म सभा में बाल ब्रह्मचारणी ममता दीदी अमायन, डॉ. आरती जैन सहित स्थानीय विद्वानों में अशोक जैन, चितरंजन जैन, डॉ. विवेक जैन के श्रीमुख से गुरुदेवश्री के जीवन दर्शन पर अनमोल बातों को सुना। संध्या की बेला पर वीतराग भवन में वीतराग विज्ञान पाठशाला द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर गुरुदेवश्री के उपकारों को याद किया गया, जिसमे नृत्य नाटिका गुरुदेवश्री की गौरव गाथा सहित विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक राज जैन, वर्षा पाटनी, आर्या जैन, भावना जैन, शुचिता जैन, सोनम पाटनी ने किया। इस अवसर पर गुरुदेवश्री के उपकारों को याद करते हुए श्रीमती अनीता कौशल, पूजा जैन, राजेश जैन, सचिन जैन ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर गुरुदेवश्री को नमन किया ओर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

भाजपा नेता गुरजीत शंटी बेदी ने इंदौर पहुंचकर भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं भाजपा के कद्दावर नेता मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी को रामदरबार भेट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ मै शैलेन्द्र मालवी, राहुल शर्मा उपस्थित रहे।

नरेंद्र सलूजा को बयानों ने राजनीति में नई पहचान दी

भोपाल। नरेन्द्र सिंह सलूजा मध्यप्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण और चर्चित नाम बन चुके थे। उनकी राजनीतिक यात्रा में पार्टी परिवर्तन, बयानों में बदलाव और विचारधारा की उलटफेर ने उन्हें राज्य की राजनीति में एक अलग पहचान दी है। पहले कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में और बाद में बीजेपी में शामिल होने के बाद, सलूजा ने दोनों ही दलों के खिलाफ तीखी बयानबाजी की। उनके बयानों ने हमेशा सुर्खियां बटोरी हैं, जो उनके राजनीतिक विचारों और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

सलूजा की बयानबाजी से हुआ था बीजेपी को नुकसान

नरेन्द्र सिंह सलूजा, कांग्रेस के प्रवक्ता होकर अपनी तेजतर्रार और आक्रामक बयानबाजी के लिए प्रसिद्ध थे। सलूजा ने जब बीजेपी के खिलाफ आरोप लगाए, तो पार्टी की छवि को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने बीजेपी की नीतियों, विकास की गति और किसानों के मुद्दों को लेकर लगातार कड़ी आलोचना की। इससे बीजेपी के लिए राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया था। इससे पार्टी को लगा कि इस पर काबू पाने के लिए किसी मजबूत और अनुभवी नेता की जरूरत है।

नरेंद्र सलूजा ने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जनता के बीच सहजता से उपलब्ध होते हैं, वीडी शर्मा में कुशल संगठन क्षमता है। इसी से प्रभावित होकर मैं बीजेपी में शामिल हो रहा हूं। मैं ऐसे व्यक्ति के साथ नहीं रह सकता, जिस पर मेरे धर्म के लोगों की हत्या का आरोप हो। रॉ अफसर की जो किताब है, जिसमें कमलनाथ पर आरोप लगाए हैं। ऐसे में मैं उनके साथ नहीं रह सकता। ऐसे नेता और पार्टी को ठोकर मारकर मैं बीजेपी में शामिल हो रहा हूं। शिवराज जी का धन्यवाद कि उन्होंने मुझ जैसे कार्यकर्ता को अपनी पार्टी में स्थान दिया। मैं विश्वास दिलाता हूं कि जैसे पूर्व में ईमानदारी से राजनीति करता हूं, शिवराज जी के नेतृत्व में भी

वैसी ही ईमानदारी से राजनीति करता रहूंगा।

कांग्रेस प्रवक्ता के रूप में नरेंद्र सिंह सलूजा

नरेन्द्र सिंह सलूजा का राजनीतिक जीवन 2000 के दशक के अंत में तेजी से उभरने लगा था। जब वे कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता बने, तो उन्होंने अपनी तेजतर्रार बयानों से पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा। कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में सलूजा ने बीजेपी और उसकी सरकार के खिलाफ लगातार हमले किए। उनका कहना था कि बीजेपी ने मध्यप्रदेश में विकास को सिर्फ कागजों तक सीमित रखा है। कांग्रेस सरकार की योजनाओं को उन्होंने जनता तक पहुंचाने का काम किया और बीजेपी की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। उनके शब्दों में कड़ाई और तीखापन था, जो विपक्षी दलों के लिए चुनौती बन गया।

कांग्रेस के खिलाफ उनके प्रमुख बयान...

कांग्रेस की गुटबाजी: सलूजा ने कांग्रेस पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी को लेकर कई बार बयान दिए। उनका कहना था कि कांग्रेस अब उस पुराने आदर्शों पर नहीं चल रही, जिनका दावा पार्टी किया करती थी।

विकास की नाकामी- सलूजा का यह भी कहना था कि कांग्रेस की सरकारों में राज्य में कोई विकास नहीं हुआ।

कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल- सलूजा ने कांग्रेस के नेतृत्व पर भी गंभीर सवाल उठाए, उनका कहना था कि कांग्रेस का नेतृत्व अब पुराना और अप्रभावी हो चुका है।

बीजेपी में नरेन्द्र सिंह सलूजा का प्रवेश

राजनीति के इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर सलूजा ने एक बड़ा कदम उठाया जब वे कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हुए। यह फैसला न केवल उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था, बल्कि उनके आलोचकों और समर्थकों के बीच भी हलचल मचा दी थी। बीजेपी में शामिल होने के बाद सलूजा की बयानबाजी का रुख पूरी तरह से बदल गया। कांग्रेस को निशाने पर रखते हुए उन्होंने तीखे आरोप लगाए।

बीजेपी में सलूजा के प्रमुख बयान...

कांग्रेस का झूठा वादा- सलूजा ने कांग्रेस को एक बार झूठे वादों वाली पार्टी कहा और आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जनता को विकास और रोजगार के नाम पर झूठे वादे किए हैं।

कांग्रेस का परिवारवाद: बीजेपी में शामिल होने के बाद, सलूजा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि यह पार्टी केवल परिवारवाद पर आधारित है।

कांग्रेस की भ्रष्टाचार पर चुप्पी: उन्होंने कांग्रेस पर यह भी आरोप लगाया कि पार्टी भ्रष्टाचार के मामलों पर चुप्पी साधे रखती है।

नरेन्द्र सिंह सलूजा का कद

नरेन्द्र सिंह सलूजा की राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उनके बयानबाजी ने उन्हें एक शक्तिशाली और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया। उन्होंने दोनों प्रमुख पार्टियों के खिलाफ बयानबाजी की है, जो दर्शाता है कि वे किसी भी पार्टी के लिए अपनी निष्ठा को पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं रखते। उनकी आलोचनाओं और समर्थन में बदलाव, राजनीति की वास्तविकता और चुनावी रणनीतियों के बारे में भी सोचने पर मजबूर करते हैं।

नरेन्द्र सिंह सलूजा एक तेजतर्रार नेता थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति में अपनी जगह बनाई थी। कांग्रेस से बीजेपी में उनका परिवर्तन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना थी, जिसने उनके व्यक्तित्व और रणनीतिक दृष्टिकोण को उजागर किया। उनके बयान हमेशा चर्चाओं में रहते थे और वे किसी भी स्थिति में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से पीछे नहीं हटते। उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि राजनीति में स्थिरता की कोई गारंटी नहीं है और हर नेता अपने समय और परिस्थितियों के अनुसार अपने दृष्टिकोण को बदल सकता है।

पोलोग्राउंड में 36 एकड़ में बनेगा 'भारत वन', इंदौर को मिलेगा हरियाली का नया प्रतीक

इंदौर। मध्य क्षेत्र में 36 एकड़ में भारत वन विकसित किया जाएगा, जो शहर के लिए स्वच्छ पर्यावरण और हरित क्षेत्र का केंद्र बनेगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नागरिकों के साथ स्थल का निरीक्षण कर सुझाव लिए।

इंदौर के मध्य क्षेत्र में नगर निगम 'भारत वन' की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। यह हरित क्षेत्र 36 एकड़ में विकसित किया जाएगा। बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नागरिकों के साथ प्रस्तावित स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि उद्देश्य एक ऐसा वन क्षेत्र विकसित करना है, जो न केवल स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करे, बल्कि शहर के 'फेफड़ों' की भूमिका भी निभाए। दौरे के दौरान नागरिकों से सुझाव भी लिए गए। सभी संबंधित पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि इस क्षेत्र को पूर्ण रूप से हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया जाएगा। यहां एक बड़ा तालाब भी विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित 'भारत वन' कान्ह नदी के किनारे,

पोलोग्राउंड क्षेत्र में आकार लेगा। वर्तमान में शहर का यह मध्य भाग हरियाली की दृष्टि से सबसे पिछड़ा है और यहां भू-जल स्तर भी काफी नीचे है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में अभी कोई प्रमुख उद्यान मौजूद नहीं है।

भारत वन में देश के विभिन्न राज्यों की जैव विविधता, वनस्पति और जीव-जंतु शामिल किए जाएंगे। निर्माण कार्य इन राज्यों के पक्षी आवासों की विशेषताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा। यह परियोजना न केवल पर्यावरण को सुदृढ़ बनाएगी, बल्कि आसपास के क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने में भी सहायक होगी। महापौर ने इस पहल को इंदौर के लिए एक महत्वपूर्ण उपहार बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भारत वन न केवल शुद्ध वायु प्रदान करने वाला स्थान होगा, बल्कि यह शहरवासियों के लिए एक प्रमुख प्राकृतिक आकर्षण का केंद्र भी बनेगा। तीन माह बाद परियोजना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

नरेंद्र सलूजा: जो हर दल में अपनेपन और संवाद का पुल बने रहे....

आज एक ऐसा समाचार मिला जिसने भीतर तक झकझोर दिया – भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रवक्ता और हमारे अपने भाई नरेंद्र सलूजा नहीं रहे....यह केवल एक राजनीतिक शख्सियत के जाने की खबर नहीं है, यह एक व्यक्तिगत क्षति है, एक ऐसा खालीपन जिसे शब्द भी नहीं भर सकते।

मैंने नरेंद्र भाई को सिर्फ उस समय नहीं जाना जब वे मध्य प्रदेश में कांग्रेस शासन के दौरान कमलनाथ जी के मीडिया प्रभारी थे, बल्कि उस दौर के पहले से ही एक पत्रकार दोस्त का साथ देखा, समझा और महसूस किया है। वे बाद में भारतीय जनता पार्टी में आए और मुख्यधारा में बड़ी जिम्मेदारी निभाई – उन्होंने पुराने मित्रों और पत्रकारों को कभी नहीं छोड़ा।

वे उन बिरले लोगों में से थे जो दल नहीं, संबंध निभाना जानते थे।

हर बार जब भी उनसे मुलाकात होती, वह पूरे जोश और ऊर्जा से मिलते .....कोई फर्क नहीं पड़ता कि सामने कौन है – वे हरसंभव मदद और संवाद के लिए तैयार रहते। कितने ही पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए वे सरकार और प्रशासन से संवाद की मजबूत कड़ी बनकर उभरे।

उनके जाने से मीडिया जगत, राजनीति और हमारे अपने संबंधों की दुनिया में एक ऐसी रिक्तता आ गई है जिसे कोई भर नहीं सकता। आज जब वह नहीं हैं, तो याद आता है कि कैसे उन्होंने मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी भवन से अपने सफर की शुरुआत की थी, और कैसे उनकी मौजूदगी आज तक भोपाल और इंदौर के दीनदयाल परिसर तक ठहाकों की गूंज में महसूस हो रही हैं...।

नरेंद्र भाई बता गए विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन इंसानी रिश्ते और संवाद सबसे ऊपर होते हैं। वे हर खेमे में विश्वसनीय, अपनत्व से भरपूर और संवादधर्मी व्यक्ति थे।

आज उनके जाने से न सिर्फ एक प्रवक्ता की, बल्कि एक मित्र, सहयोगी और पुल की भूमिका निभाने वाले साथी की विदाई हुई है।

आप सदा याद रहेंगे, नरेंद्र भाई। आपकी मुस्कान और आपका वो संबल – हम सबकी स्मृतियों में अमिट रहेगा।

ओम शांति।

डॉ.नवीन आनंद जोशी, इंदौर

लोधा समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन किया गया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर लोधा समाज भोजपुर पर लोधा समाज के द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन किया गया। जिसमे सांस्कृतिक आयोजन के समिति के अध्यक्ष बालाप्रसाद लोवंशी सतलापुर एवं सभी वरिष्ठ समाजसेवियों, सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में किया गया। जिसमे मुख्य रूप से गोविन्द सिंह लोवंशी, कमल सिंह वर्मा, रघुवीर सिंह लोधा, जयसिंह लोवंशी (पूर्व सरपंच), दौलतराम लोवंशी, मोहनसिंह सरपंच, कमलेश वर्मा, उमेश लोवंशी, सुरेन्द्र लोवंशी मेंदुआ, दिनेश मांडली, रामस्वरूप लोवंशी, सचिन लोवंशी, जितेन्द्र (शेरु) लोवंशी, नरेन्द्र लोवंशी, राजेश लोवंशी, परमेश्वर लोवंशी, जगदीश लोवंशी, माखन सिंह, संतोष, राहुल, एवं सभी वरिष्ठ जन एवं सामाजिक बंधुओं ने सहभागिता कर वर- वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

भगवान परशुराम जयंती पर निकली भव्य वाहन रैली

मंडला। भगवान परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर माहिष्मति सर्व ब्राह्मण सभा,जिला मंडला द्वारा 29 अप्रैल 2025 को भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन किया गया।इस अवसर पर नगर में श्रद्धा,भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।भव्य वाहन रैली में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

जिसमें प्रातः 9 बजे बजरंग चौक,महाराजपुर से भगवान परशुराम जी के प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल वाहन रैली का शुभारंभ हुआ।रैली नगर भ्रमण करते हुए परशुराम मंदिर, नावघाट सिंहवाहिनी परिसर में सम्पन्न हुई।रैली में ब्राह्मण समाज के महिला मंडल,युवा वर्ग,समाजसेवी और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पारंपरिक परिधान और उत्साह के साथ भाग लिया।

झांकियों,बैंड-बाजों और धर्मध्वजों से सजी इस रैली में भगवान परशुराम सहित अनेक देवी-देवताओं के स्वरूप आकर्षण का केंद्र बने।आयोजन का उद्देश्य भगवान परशुराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना,युवाओं में धार्मिक चेतना का संचार करना और समाज में एकता व समरसता को बढ़ावा देना रहा। श्रद्धालुओं के लिए रैली के पूर्व एवं उपरांत

स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी,जिसमें नगर एवं आस-पास से आए लोगों ने सहभागिता कर पुण्य अर्जित किया।

अक्षय तृतीया को हुआ यज्ञोपवीत संस्कार : कार्यक्रम की दूसरी कड़ी में दूसरे दिन 30 अप्रैल 2025 बुधवार को प्रातः 9 बजे से वटुकों का वैदिक विधि-विधान से यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार सम्पन्न हुआ। जिसमें ब्राह्मणाचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ संस्कार सम्पन्न कराया गया।संस्कार उपरांत नगर में वटुकों की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें धर्म और संस्कृति के संदेश का प्रचार किया गया। इसके पश्चात नावघाट स्थित भगवान परशुराम मंदिर में देवदर्शन,पूजन और सांध्य आरती का आयोजन किया गया।

सामूहिक सहयोग से सफल हुआ आयोजन: सभा के पदाधिकारियों ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं,अतिथियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।उन्होंने बताया कि यह आयोजन समाज में धार्मिक चेतना,सांस्कृतिक मूल्यों और आपसी सहयोग को प्रबल करने का कार्य करता है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन, 354 जोड़ों ने एक दूसरे का थामा हाथ

गेहूं खेड़ी के दूल्हे की नहीं आई दुल्हन, दिखी घूंघट प्रथा की झलक

सिरोंज। 42 डिग्री तापमान में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक सम्मेलन 354 ने सात जन्मों तक साथ निभाना का वादा किया कृषि उपज मंडी के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत तथा नगर पालिका के द्वारा गर्मी को देखते हुए अच्छी व्यवस्था कराई थी पर गर्मी के आगे बेअसर हो गई। वहीं ग्राम पंचायत गेहूं खेड़ी के दूल्हे की दुल्हन ने अपने प्रेमी के साथ शादी कर इसके चलते यहां का जोड़ा सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ।जबकि एक दिन पहले तक पंजीयन करवाने और सम्मेलन में विवाह करने के लिए दुल्हन राजी थी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात्रि में ही उसने अपने प्रेमी से शादी कर ली इस वजह से यहां के दूल्हे की खुशियां गम में तब्दील हो गई। वैसे सम्मेलन में 355 जोड़े पात्र पाए गए थे ।इनमें से 1 काम होने से 354 जोड़ों ने जीवन भर एक दूसरे का साथ निभाने का वादा किया इनके विवाह एवं निकाह पूरे रीती रिवाज से संपन्न हुए इसके उपरांत दुल्हन के नाम से 49000 की राशि का चेक भी प्रदान किया गया. सामूहिक विवाह सम्मेलन में गर्मी के कारण सभी की हालत खराब हो रही एक दुल्हन तो गर्मी से बेचैन होने लगी तो मंडप स्थल पर तत्काल परिजनों हवा और पानी पिलाया काफी देर तक आराम करवाया दूसरी ओर प्रशासन ने गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए काफी इंतजाम किए थे। मंडी के सेट के अलावा टेंट भी लगवाया जगह-जगह बड़े-बड़े कूलर भी रखे हुए थे। गर्मी का प्रकोप इतना ज्यादा था कि इसके वजह से कई दुल्हनों की हालत भी खराब हो रही थी जिनके लिए हवा उनके परिजन करते हुए नजर दूसरे स्टेज पर बैठे जोड़ों की दुल्हनों को गर्मी लग रही थी तो उनके हमसफर अपने हाथों से प्रमाणपत्र से ही हवा कर रहे थे। एसडीएम हर्षल चौधरी ने गर्मी को ध्यान में रखते हुए सुबह 8 बजे से ही सम्मेलन प्रारंभ करवा दिया था एक तरफ हिंदू रीति रिवाज से 250 जोड़ों के वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच पंडितों ने 7 फेर करवाए गए दूसरी ओर 104 मुस्लिम जोड़ों के काजियों से निकाह संपन्न कराए गए।इसके बाद इनको चेक और प्रमाण पत्र भी तत्काल उपलब्ध कराए गए। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने सरकार के द्वारा किस तरह से गरीब परिवारों की चिंता

करते हुए सम्मेलन प्रारंभ किया उसके बारे में बताया। इसके अलावा नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव, पूर्व नगर उपाध्यक्ष अध्यक्ष संतोष चौरे ,जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव ने नगर मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाहा, अपने विचार व्यक्त किए ।इस दौरान पथरिया मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण रघुवंशी पारस तरण, हरिचरण अहिरवार, एसडीएम हर्षल चौधरी ,एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी , तहसीलदार संजय चौरसिया, जनपद सीईओ वंदना शर्मा ,नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू आदि मौ

आयोजन स्थलो की जानकारी इस प्रकार से है

विदिशा जनपद पंचायत व नगरपालिका अंतर्गत 165 जोडो में 153 का विवाह व 12 निकाह, बासौदा जनपद व निकाय में कुल 227 जोडो में 200 का विवाह व 27 का निकाह, ग्यारसपुर में 166 में से 156 का विवाह व 10 निकाह, कुरवाई में 136 में से 99 का विवाह व 37 का निकाह, सिरोंज में 355 में से 251 का विवाह व 104 का निकाह, लटेरी में 231 में से 201 का विवाह और 30 का निकाह, डंगरबाडा नटेरन में 150 में से 115 विवाह व 35 का निकाह जबकि खैरखेडी जनपद पंचायत नटेरन में 67 जोडो का विवाह हुआ है। विवाह आयोजन स्थलो पर जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, कर्मचारी और वर वधु के रिश्तेदार मौजूद रहे।

परशुराम जयंती पर ब्राह्मण समाज ने निकाला चल समारोह

नपाध्यक्ष ने चल समारोह में शामिल विप्रजनों का किया स्वागत

आष्टा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अखंड ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में समाज के आराध्य भगवान परशुरामजी के जन्मोत्सव को आस्था और उत्साह के साथ 30 अप्रैल बुधवार को मनाया गया।ब्राह्मण समाज के

आराध्य भगवान परशुराम जी की प्रतिमा एक रथ पर विराजित की गई। वहीं समाज के पांच युगल जो दांपत्य सूत्र में इस पावन अवसर पर बंध रहे हैं वह पांच रथों पर सवार । उक्त पावन दिवस की पूर्व बैला पर समाज के द्वारा महिला संगीत ,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं चेयर रेस व दीपक सजाओं प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह मानस भवन परिसर में मंगलवार की शाम को संपन्न हुआ।30 अप्रैल को पादुका पूजन ,अभिषेक ,आरती के साथ उक्त जयंती महोत्सव मनाया तथा दांपत्य सूत्र में बंधने वाले युगलों को जनप्रतिनिधि गण एवं समाज के वरिष्ठों ने आशीर्वाद दिया।

बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे मानस भवन में भगवान श्री परशुरामजी की पादुका पूजन,अभिषेक,आरती का आयोजन किया गया। तत्पश्चात भव्य शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ मानस भवन से निकाली गई। शोभायात्रा में आगे पुरुष वर्ग चल रहा था और उनके पीछे मातृ शक्ति चल रही थी। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा अक्षय तृतीया मन के अंदर देखने का दिन है और मन से विकारों दुर्भावना, बुरे विचार, अहंकार, स्वार्थ,काम, क्रोध तथा लोभ को निकालने का दिन है। इन्हें भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में आसुरीवृत्ति कहा है। साथ ही आज यह समझने का दिन है कि क्षय होने वाली वस्तुएं स्थूल शरीर, संसार और संसार की

समस्त वस्तुएं नष्ट होने वाली है। अक्षय तृतीया सकारात्मक चिंतन -मनन, त्याग, परोपकार, मैत्री, करुणा और प्रेम, शांति, सद्भाव ये वो दिव्यगुण है, जो हमें देवी संपदा की ओर ले जाते हैं अक्षय तृतीया इन्हीं जीवन मूल्यों को वरण करने का संदेश देती है। साथ ही सत्यमेव जयते की ओर अग्रसर करती है।सदगुण ही स्थायी संपत्ति है।अपने तप व पराक्रम से समाज में समता और न्यास की स्थापना करने वाले भगवान श्री परशुराम जी की जयंती एवं अक्षय तृतीया के अवसर पर अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा जयंती कार्यक्रम एवं परिणय महोत्सव का चल समारोह मानस भवन से प्रारंभ किया गया जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ सुभाष चौक पहुंचा ।जहां नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा के नेतृत्व में चल समारोह में शामिल समाज अध्यक्ष पार्षद रवि शर्मा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल शर्मा, राजेश शर्मा, दिनेश शर्मा, मनीष पालीवाल, नवीन शर्मा, पवन पाठक, संतोष शर्मा, संजीव दीक्षित, बसंत पाठक, अक्षत पाठक, दिलीप शर्मा, बीना पुरोहित, विजयश्री शर्मा, मंजु मनीष पालीवाल, रीना तिवारी, कुमारी दिव्यांका शर्मा आदि शामिल थी।

एनएसटीआई और आईटीओटी में शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 2025-26 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अधीन कार्यरत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश कार्यक्रम की घोषणा की है। जो उम्मीदवार एनटीसी (नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट), ह्रष्ट (नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट), डिप्लोमा या डिग्री धारक हैं, या इन पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं । चयनित उम्मीदवारों को 41 ट्रेड्स (28 इंजीनियरिंग और 13 नॉन-इंजीनियरिंग) में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) और प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीओटी) में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सीआईटीएस योजना के तहत 2019 से 2024 के बीच 45,025 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) का उद्देश्य प्रशिक्षकों को तकनीकी कौशल और प्रशिक्षण पद्धति दोनों में पूरी तरह से प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रशिक्षक व्यावहारिक कौशल को प्रभावी ढंग से सिखाने में सक्षम हों, जिससे उद्योगों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके। राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के अनुसार, सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षकों के लिए सीआईटीएस प्रशिक्षण अनिवार्य है। शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) का उद्देश्य प्रशिक्षकों को तकनीकी कौशल और प्रशिक्षण पद्धति दोनों में पूरी तरह से प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रशिक्षक व्यावहारिक कौशल को प्रभावी ढंग से सिखाने में सक्षम हों, जिससे उद्योगों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके।

एयर इंडिया 15 जून 2025 से टोक्यो हनेडा के लिए प्रतिदिन उड़ानें संचालित करेगी

गुरुग्राम एजेंसी। भारत की प्रमुख वैश्विक एयरलाइन एयर इंडिया ने आज घोषणा की कि वह दिल्ली और टोक्यो हनेडा के बीच अपनी नॉन-स्टॉप सेवा का विस्तार कर रही है। यह सेवा 15 जून 2025 से सप्ताह में चार दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन की जा रही है। यह विस्तार भारत और जापान के बीच संपर्क को मजबूत करता है और यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करता है, साथ ही इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम 31 मार्च 2025 को एयर इंडिया की टोक्यो के नरीता हवाई अड्डे से हनेडा हवाई अड्डे पर स्थानांतरण के बाद उठाया गया है, जिससे टोक्यो स्टेशन तक यात्रा का समय लगभग 30 मिनट हो गया है। एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान द्वारा संचालित ये दैनिक उड़ानें यात्रियों को टोक्यो के केंद्र तक तेज़ और आसान पहुंच प्रदान करती हैं, क्योंकि हनेडा हवाई अड्डा शहर से केवल 18 किमी की दूरी पर है। एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर निपुण अग्रवाल ने कहा, दिल्ली-टोक्यो हनेडा सेवा को प्रतिदिन करने का निर्णय भारत और जापान के बीच बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह दैनिक सेवा और ऑल निप्पॉन एयरवेज के साथ हमारी गहरी कोडशेयर साझेदारी, हमारे मेहमानों के लिए जापान की खोज और टोक्यो के अलावा अन्य शहरों तक आसान कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है।

भारत ने 60 बिलियन डॉलर की गेमिंग इकोनोमी के लिए अपने दृष्टिकोण का अनावरण किया

मुंबई , एजेंसी। भारत ने आज अपनी बहु-प्रतीक्षित इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025 का आधिकारिक लॉन्च किया। विंज़ो और इंटरैक्टिव एंटरटेनमेन्ट एण्ड इनोवेशन काउन्सिल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन के अनुसार भारत का गेमिंग सेक्टर 2034 तक 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंच सकता है। 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मौजूदा अवमूल्यन और अनुमानित 19.6 फीसदी सीएजीआर (वित्तीय वर्ष 24-29 ई) के साथ, भारत का गेमिंग सेक्टर तेज़ी से विकसित हो रहा है, और एक अनुमान के मुताबिक यह 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। इस सेक्टर में 1888 गेमिंग कंपनियां हैं, जो 130,000 से अधिक लोगों को रोज़गार देती हैं। यूज़र बेस की बात करें तो तकरीबन 9600 बिलियन यूज़र इस सेक्टर के साथ जुड़े हुए हैं, यह आंकड़ा 2029 तक 952 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है।

सेनहाइज़र ने प्रीमियम ऑडियो गियर पर 58 प्रतिशत तक की छूट के साथ रोमांचक समर सेल डील का ऐलान किया

भोपाल। सेनहाइज़र, ऑडियो इनोवेशन में ग्लोबल पायोनियर ब्रांड इस सीज़न में अमेज़न की समर सेल 2025 के दौरान बेहतरीन डील्स के साथ ग्राहकों को अच्छी खासी बचत का मौका दे रही है। 1 मई से शुरू होने वाले इस सेल में ग्राहक सेनहाइज़र के टॉप-रेटेड प्रोडक्ट्स, जैसे हेडफ़ोन्स, माइक्रोफ़ोन्स और कई अन्य एसेसरीज आदि पर 58 प्रतिशत तक की अच्छी खासी छूट और बचत का आनंद ले सकते हैं। भारी छूट के अलावा, ग्राहक 24 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं और चुनिंदा बैंक कार्ड ऑफ़र के साथ एडीशनल बचत का आनंद भी ले सकते हैं। प्रोफ़ाइल स्ट्रीमिंग सेट (बूम आर्म के साथ) यूएसबी माइक्रोफ़ोन, श्च-945 माइक्रोफ़ोन, एचडी-25 प्लस हेडफ़ोन, मोमेंटम 4 (कॉपर) हेडफ़ोन्स, एसेंटम प्लस हेडफ़ोन्स और मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4 जैसे उत्पादों के साथ शानदार साउंड की दुनिया का आनंद लें। साथ में बेहद किफायती कीमतों पर खरीद कर अच्छी खासी बचत भी करें।

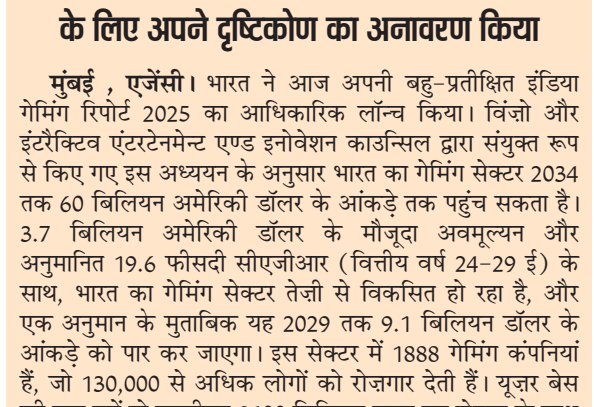

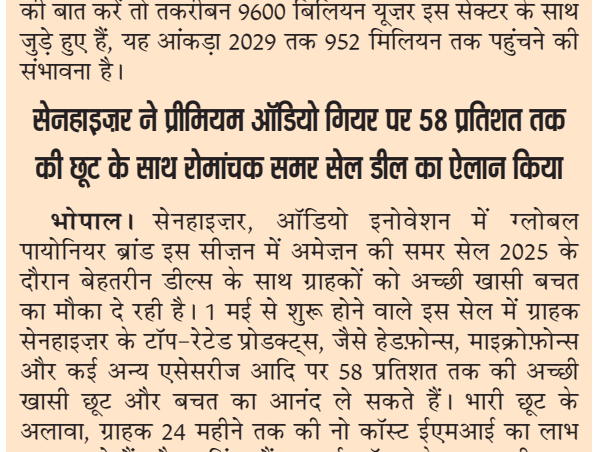

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Samir Chandra Saxena appointed CMD, Grid-India on Apr 29
(WE SAID THIS ON FEBRUARY 13, 2025)
Tenure of Narasimhan ending; Saxena to succeed him as CMD, Grid-India
A vacancy of Chairman & Managing Director, Grid Controller of India Ltd (Grid-India) is arising on May 1, 2025 with the expiring term of incumbent S R Narasimhan in April. Samir Chandra Saxena, Director (Market Operation), Grid Controller of India Limited (Grid-India), is expected to succeed him. His appointment orders to the post are yet to come.

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Deven Bharti appointed Mumbai Police Commissioner on April 30
(WE SAID THIS ON APRIL 16, 2025)
Will Deven Bharti be new CP Mumbai?
Deven Bharti is likely to be appointed new Police Commissioner Mumbai on May 1. He is a 1994 batch IPS officer of Maharashtra cadre.

यूपीआई में तकनीकी समस्याओं पर वित्त मंत्री सख्त, 1 अरब डेली ट्रांजैक्शन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) में बार-बार आ रही तकनीकी खामियों और सेवा बाधाओं ने देशभर के उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों को परेशान किया है। लेन-देन में रुकावटों के कारण होने वाली असुविधाओं को गंभीरता से लेते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में यूपीआई सिस्टम की मौजूदा चुनौतियों और इसे और मजबूत बनाने के उपायों पर गहन चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अगले 2-3 वर्षों में यूपीआई के माध्यम से प्रतिदिन 1 अरब लेन-देन तक पहुंचना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तकनीकी बाधाओं को तत्काल प्रभाव से दूर किया जाए ताकि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को और गति मिल सके। उन्होंने कहा, यूपीआई हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और इसे हर हाल में निर्बाध और विश्वसनीय बनाना होगा।

हालिया आउटेज ने बढ़ाई चिंता

यह बैठक हाल ही में हुए तीन बड़े तकनीकी आउटेज की पृष्ठभूमि में बुलाई गई थी। 26 मार्च, 2 अप्रैल और 12 अप्रैल को यूपीआई सेवाएं देशभर में कई घंटों तक ठप रही थीं, जिससे लाखों उपयोगकर्ता प्रभावित हुए। इन घटनाओं ने सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि ऐसी समस्याओं को दोबारा होने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

शीर्ष अधिकारियों की भागीदारी

बैठक में वित्त सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू, और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ दिलीप असबे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने यूपीआई नेटवर्क को अधिक स्केलेबल, स्थिर और लचीला बनाने के लिए तकनीकी उन्नयन और रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम की योजना

आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 से 2024-25 के बीच यूपीआई से 26 करोड़ नए उपयोगकर्ता और 5.5 करोड़ व्यापारी जुड़े हैं। इस बढ़ते उपयोगकर्ता आधार को संभालने के लिए सरकार और अब रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह सिस्टम किसी भी तकनीकी रुकावट की तुरंत पहचान और समाधान सुनिश्चित करेगा।

यूपीआई बाजार में Super.Money, Navi, BHIM और CRED जैसे नए ऐप्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये ऐप्स आकर्षक कैशबैक, ऑफर्स और उपयोगकर्ता-अनुकूल इक्र्रूह्य पर जोर दे रहे हैं। मार्च 2025 तक इन ऐप्स की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 4 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो अक्टूबर 2024 में 2.3 प्रतिशत थी। यह वृद्धि यूपीआई बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाती है।

मप्र सरकार की घोषणा सीएनजी वाहनों को टैक्स में लाइफ टाइम छूट

भोपाल। प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति के बाद अब सीएनजी वाहनों को बढ़ावा देने का फैसला किया। इसके तहत फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट युक्त सभी नए वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में छूट दी जाएगी। यह छूट अलग-अलग कैटेगरी के वाहनों के लिए अलग-अलग तय की गई। परिवहन विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे हाइब्रिड ईंधन स्रोत युक्त वाहन, जिनमें सीएनजी के साथ अन्य ईंधन भी शामिल है या जिनमें बाद में सीएनजी किट फिट कराई गई है (रेट्रो फिटमेंट), उन्हें इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा।

परिवहन विभाग के जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे हाइब्रिड ईंधन स्रोत युक्त वाहन, जिनमें सीएनजी के साथ अन्य ईंधन भी शामिल है या जिनमें बाद में सीएनजी किट फिट कराई गई है (रेट्रो फिटमेंट), उन्हें इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। यह छूट केवल उन्हीं वाहनों को दी जाएगी जो फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ आते हैं और जिनका पंजीकरण सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति 2025 के तहत एक वर्ष की अवधि में किया जाएगा। इन वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में 1त्न की छूट मिलेगी।

वाहनों को टैक्स में रियायत इन कैटेगरी में

मोटरसाइकिल एवं 12 सवारी + चालक क्षमता वाले वाहन (कीमत 10 लाख रुपए से कम) (वाहन मूल्य का 7 प्रतिशत)

इसी श्रेणी के वाहन (कीमत 10 लाख से 20 लाख रुपए के बीच) (वाहन मूल्य का 9 प्रतिशत)

इसी श्रेणी के वाहन (कीमत 20 लाख रुपए से अधिक) (वाहन मूल्य का 13 प्रतिशत)

7500 किलोग्राम तक के मालवाहक वाहन (वाहन मूल्य का 7 प्रतिशत)

7500 किलोग्राम से अधिक भार वाले मालवाहक वाहन (वाहन मूल्य का 4 प्रतिशत)

अन्य सभी प्रकार के वाहन (वाहन मूल्य का 9 प्रतिशत)

बॉलीवुड स्टार पंकज त्रिपाठी राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर के रूप में यूरो एडेसिव्स फैमिली में शामिल हुए

मुंबई, एजेंसी। ज्योति रेज़िन्स एंड एडेसिव्स लिमिटेड के ब्रांड और वुड एडेसिव्स श्रेणी में भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते नामों में से एक यूरो एडेसिव्स ने मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह स्ट्रैटिजिक सहयोग ब्रांड की राष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाने तथा उपभोक्ताओं, प्रोफ़ेशनल्स और ट्रेड पार्टनरों के साथ इसके संपर्क को गहरा करने के व्यापक दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। इस घोषणा के साथ ही यूरो एडेसिव्स का बिलकुल नया विज्ञापन अभियान भी लॉन्च किया जा रहा है, जो ब्रांड के विकसित वैल्यू प्रपोज़िशन की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है - जो न केवल एक मज़बूत बंधन का वादा करता है, बल्कि तेज़ी से सूखने, दीमक प्रतिरोध, जलरोधक, मौसम रोधी जैसे सार्थक परफ़ॉरमेंस देता है और उत्पाद के कम उपयोग के साथ अधिक कवरेज देता है। यह 360-डिग्री अभियान मई 2025 में टेलीविज़न, प्रिंट, डिजिटल और आउट-ऑफ-होम प्लेटफ़ॉर्म पर लाइव होगा।कैम्पेन में पंकज त्रिपाठी को अलग-अलग रूपों में दिखाया गया है।

देवू ने मंगाली इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी में भारतीय बाजार में लुब्रिकेंट्स की रेंज लॉन्च की

नई दिल्ली , एजेंसी। वैश्विक इंजीनियरिंग ब्रांड देवू ने मंगलवार को भारत में ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स के क्षेत्र में प्रवेश करते हुए अपनी प्रीमियम श्रेणी के उत्पाद लॉन्च किए। यह लॉन्च मंगाली इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ रणनीतिक लाइसेंसिंग साझेदारी के तहत किया गया है। नई दिल्ली स्थित होटल ली मेरिडियन में आयोजित एक कार्यक्रम में कंपनी ने टू-व्हीलर, पैसेंजर कार, वाणिज्यिक और कृषि वाहनों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले लुब्रिकेंट्स की रेंज पेश की। इस अवसर पर ऑटोमोबाइल और लुब्रिकेंट उद्योग से जुड़े कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। देवू लुब्रिकेंट्स के निदेशक (रणनीति एवं विकास) विनीत सिंह ने कहा कि कंपनी नवाचार, भरोसे और प्रदर्शन की प्रतीक रही है। उन्होंने कहा, ''मंगाली इंडस्ट्रीज के साथ यह गठबंधन भारत जैसे गतिशील बाजार के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का संकेत है। इस अवसर पर कोरियाई कंपनी पोस्को के उपमहाप्रबंधक सांग-ह्वान ओह ने भी उपस्थित होकर देवू के गुणवत्ता मानकों और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कंपनी के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं और स्थानीय मांग के अनुसार तैयार किए गए हैं।

अमेज़न इंडिया ग्रेट समर सेल 2025 शुरू

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने अपनी अपकमिंग ग्रेट समर सेल के लिए ब्लॉकबस्टर डील्स का ऐलान कर दिया है, जो 1 मई 2025 को दोपहर से शुरू । सैमसंग एआई के सहयोग से आयोजित ये बहुप्रतीक्षित सेल, इस सीजन में खरीदारों को खुश करने के लिए प्रमुख ब्रांड्स से शानदार डील्स की रेंज लेकर आ रही है। ग्राहक सैमसंग एआई और इंटेल से प्रीमियम टेक्नोलॉजी, सैमसंग अप्लायंसेज और टीवी, टीसीएल, और हाईसेंस से लेटेस्ट होम एंटरटेनमेंट सॉल्यूशन्स, साथ ही टाटा प्रोडक्ट्स, मसल ब्लेज़, वोलिनी, एचयूएल, केलॉग्स, और बोट जैसे भरोसेमंद उपभोक्ता उत्पादों पर शानदार ऑफर्स को हासिल कर सकते हैं।

एमपी में ई-मोबिलिटी की रफ्तार तेज, इस शहर की सड़कें पर दौड़ेगी 100 इलेक्ट्रिक बसें

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की भोपाल शहर की सड़कों पर जल्द ही 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। मध्य प्रदेश सरकार ने हैदराबाद के सफल मॉडल को अपनाने का निर्णय लिया है, और अब यह मॉडल भोपाल में लागू किया जा रहा है। पहले से ही हैदराबाद से बसें लाकर भोपाल में उनका परीक्षण किया जा चुका है, जिससे यह साफ हो गया है कि इलेक्ट्रिक बसें पहाड़ी इलाकों में भी बेहतर प्रदर्शन करती हैं।

मैनिट विशेषज्ञों की सलाह से रूट निर्धारण

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने मैनिट के विशेषज्ञों से शहर के पहाड़ी इलाकों में इलेक्ट्रिक बसों के लिए उपयुक्त रूट तैयार करवाने का निर्णय लिया है। इन विशेषज्ञों की टीम यह सुनिश्चित करेगी कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पहाड़ी क्षेत्रों में बिना किसी समस्या के किया जा सके, खासकर उन क्षेत्रों में जैसे अरेरा हिल्स, राज भवन, और न्यू मार्केट, जहां पहले भी इन बसों ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

यात्री क्षमता और बसों की क्षमता पर ध्यान

बीसीसीएल की ओर से यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन इलेक्ट्रिक बसों को दोगुनी संख्या में यात्रियों के साथ चलाने पर भी कोई असुविधा न हो। वर्तमान में, भोपाल शहर की 24 लाख की आबादी के हिसाब से, बीसीसीएल सस्ती और प्रभावी पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था प्रदान करती है।हालांकि, यह चिंता जताई जा रही है कि इलेक्ट्रिक बसों की सीमित संख्या में परिचालन के बावजूद, पुराने लो-फ्लोर बसों की तरह अधिक यात्री बैठने से संचालन में कोई परेशानी न हो, जैसा कि पहले देखा जा चुका है।

परीक्षण की आवश्यकता

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के निदेशक, मनोज राठौर, ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, और विशेषज्ञों से सलाह भी ली जा रही है। साथ ही, इन बसों का संचालन शुरू करने से पहले सभी संभावित परीक्षण किए जाएंगे।

गोदरेज ने पूर्वोत्तर भारत के एफएमसीजी उद्योग में नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में बदलाव का समर्थन किया

गुवाहाटी स्थित एक एफएमसीजी सुविधा में 2 मेगावाट पीक मल्टी-फॉर्मेट सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा, जो हर साल 24 लाख यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा

मुंबई एजेंसी। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को समर्थन देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के ऊर्जा समाधान व्यवसाय ने असम के गुवाहाटी में एक अग्रणी एफएमसीजी कंपनी की सुविधा के लिए 2 मेगावाट पीक सौर ऊर्जा परियोजना का अनुबंध हासिल किया है। यह परियोजना भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत औद्योगिक विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है, और नवीन, अनुकूलित नवीकरणीय समाधानों के माध्यम से भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने की गोदरेज की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारत के सबसे जिम्मेदार ब्रांडों में से एक होने के नाते, यह गोदरेज की एफएमसीजी क्षेत्र में पहली बड़ी सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) परियोजना है, जो प्रति वर्ष लगभग 98.4 टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और जो विभिन्न उद्योगों में अनुकूलित अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदान करने में गोदरेज की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है।

यह अत्याधुनिक सौर संयंत्र सालाना लगभग 24 लाख किलोवाट-प्रतिघंटा हरित ऊर्जा उत्पन्न करेगा, जिससे इस सुविधा का कार्बन उत्सर्जन काफी हद तक घटेगा। यह सुविधा अब लगभग 1.4 करोड़ की वार्षिक ऊर्जा लागत की बचत करेगी। यह सौर संयंत्र कम से कम 25 वर्षों तक संचालित होगा और अपने जीवनकाल में कुल 57,000 मेगावाट-प्रतिघंटा स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा। राघवेंद्र मिरजी, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और बिज़नेस हैड, गोदरेज एंटरप्राइजेज ने कहा, यह सौर स्थापना हमारे नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत का औद्योगिक क्षेत्र ऊर्जा परिवर्तन के एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां कंपनियां यह समझ रही हैं कि नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना केवल पर्यावरणीय रूप से आवश्यक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। गोदरेज भारत का एक विश्वसनीय ब्रांड है और हम सभी क्षेत्रों में मापनीय और कुशल सौर समाधान प्रदान करके भारत के ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह परियोजना दर्शाती है कि कैसे औद्योगिक सुविधाएं स्वच्छ ऊर्जा को अपनाकर अपनी परिचालन दक्षता में सुधार कर सकती हैं।

यह परियोजना असम की प्रगतिशील नवीकरणीय ऊर्जा नीति के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 2025 तक 2,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित करना है, जिसमें सौर ऊर्जा को प्राथमिकता दी गई है। इस लक्ष्य में से 1,500 मेगावाट उपयोगिता स्तर की सौर परियोजनाओं और 500 मेगावाट रूफटॉप व वितरित सौर प्रणालियों के लिए निर्धारित हैं। गोदरेज की मल्टी-फॉर्मेट स्थापना निजी क्षेत्र की अगुवाई में इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देती है। गोदरेज ने भारत में कई अग्रणी परियोजनाएं शुरू की हैं। सौर क्षेत्र में, कंपनी ने मध्य प्रदेश में पहली और भारत की तीसरी सबसे बड़ी 12.5 मेगावाट पीक रूफटॉप सौर परियोजना का इंस्टालेशन किया। हाल ही में, महाराष्ट्र के धुले में 25 मेगावाट की ग्राउंड-माउंटेड सौर परियोजना शुरू की गई है, जिसके जरिये सालाना 45 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न होने की संभावना है।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325

वर्ष 11 अंक 11 पृष्ठ 9

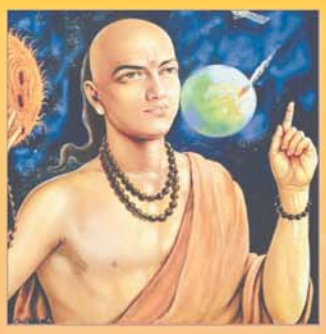

आर्य भट्ट वेदांग निर्णय सागर

मई 2025

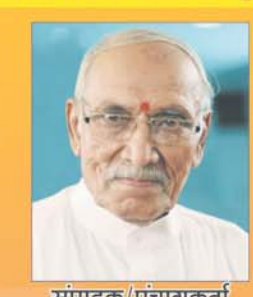

संपादक/पंचागकर्ता
पं. पी एन भट्ट

ता. 1 उदयकालीन ग्रहाचार

२ गु. | १२ रा.श.शु.बु. | ३ चं. | १ सू. | ११ | ४ मं. | १० | ५ | ७ | ९ | ६ के. | ८

श्री विक्रम संवत् २०८२
वीर निर्वाण संवत् २५५१

ता. 15 उदयकालीन ग्रहाचार

३ गु. | १ बु. | ४ मं. | २ सू.बु. | १२ शु.शं.रा. | ५ | ११ | ६ के. | ८ चं. | १० | ७ | ९

शक संवत् १९४७
बंगला सन् १४३२

मूलः अश्लेषा के मूल ता. ४ को १२/५३ दिन से ता.५ को १/०१ दिन तक फिर मघा के मूल ता.६ को ३/५२ दिन तक। ज्येष्ठा के मूल ता.१४ को ११/४७ दिन से ता.१५ को २/०७ दिन तक फिर मूल के मूल ता.१६ को ४/०७ शाम तक। रेवती के मूल ता.२३ को ४/०२ शाम से ता.२४ को १/४८ दिन तक फिर अश्विनी के मूल ता.२५ को ११/१२ दिन तक। अश्लेषा के मूल ता.३१ को ६/२७ रात्रि से मासान्त तक।

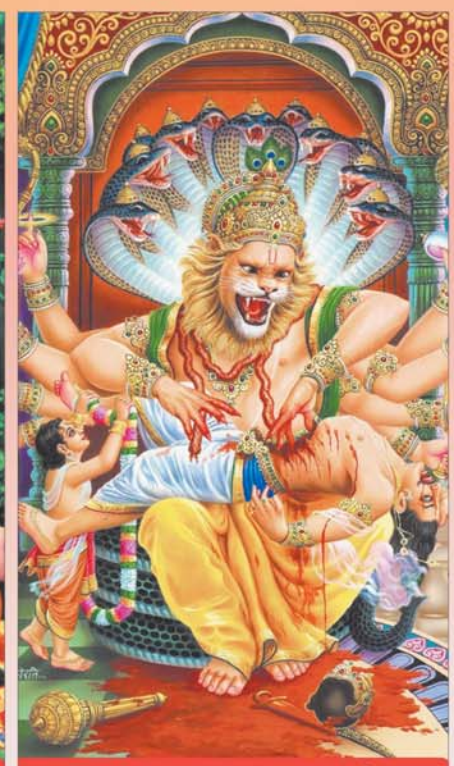

पंचक - ता. २० को ७/३५ प्रातः से ता. २४ को १/४८ दिन तक। **गुरू, शुक्र तारा** - पूरब दिशा में उदित।

ता. २ आदि गुरू शंकराचार्य जयंती

ता. ११ भगवान नरसिम्हा प्रकटोत्सव

ता. १२ भगवान गौतम बुद्ध प्रकटोत्सव

हिजरी सन 1146 जिल्काद/जिल्हेज मास (12) ता.28 चन्द्रदर्शन, ता. 29 से जिल्हेज मास प्रारम्भ।

भद्राः ता.१ को ११/२३ दिन तक। ता.४ को ८/१८ प्रातः से ७/२१ रात्रि तक। ता.७ को ११/२१ रात्रि से ता.८ को १२/२६ दिन तक। ता.११ को ८/०१ रात्रि से ता.१२ को ६/१४ प्रातः तक। ता.१५ को ३/१८ दिन से ४/०२ रा.अं. तक। ता.१६ को ६/११ प्रातः से ६/०५ शाम तक। ता.२२ को २/२१ दिन से १/१२ रा.अं. तक। ता.२५ को ३/५१ दिन से २/०१ रा.अं. तक। ता.३० से १०/१४ दिन से ६/२२ रात्रि तक।

पुष्य नक्षत्र- ता.३ को १२/३४ दिन से ता.४ के १२/५३ शाम तक फिर ता.३० को ६/२६ रात्रि से ता.३१ को १/०७ रात्रि तक।

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.१ विनायकी चतुर्थी व्रत, ता.४ गंगा सप्तमी, ता.६ सीता नवमी, जानकी जयंती, ता.८ मोहिनी एकादशी व्रत, ता.९ प्रदोष व्रत, ता.११ भगवान नृसिंह प्राकट्योत्सव, ता.१२ बुद्ध स्नानदान व्रत., वैशाखी पूर्णिमा, ता.१६ गणेश चतुर्थी व्रत, ता.२३ अचला/अपरा एकादशी व्रत, ता.२४ प्रदोष व्रत, ता. २५ शिव चतुर्दशी व्रत, ता.२६ वट अमावस्या व्रत, ता. २७ स्नानदान अमावस्या, ता.२८ चन्द्रदर्शन, ता.२९ रंभाग तीज, ता.३० विनायकी चतुर्थी व्रत।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.२ को १/४० दिन से रा.अं. तक। ता.४ को सूर्योदय से १२/५३ दिन तक। ता.१४ को सूर्यादय से ११/४७ दिन तक। ता.१८ को सूर्योदय से ६/५२ शाम तक। ता.१९ को सूर्योदय से ७/२९ रात्रि तक। ता.२३ को ४/०२ शाम से रा.अं. तक। ता.२५ को सूर्योदय से ११/१२ दिन तक। ता.२७ को सूर्योदय से ५/३२ प्रातः तक। ता.२८ को सूर्योदय से १२/२९ रात्रि तक। ता.२९ को १०/३८ रात्रि से ता.३० को ९/२९ रात्रि तक। **अमृत सिद्धि योग-** ता.१४ को सूर्योदय से ११/४७ दिन तक। ता.२३ को ४/०२ शाम से रा.अं. तक।

शुभ मुहूर्त

विवाह- ता. १, ५ से ११, १३ से १८, २२, २३, २४, २८। **मुण्डन-** ता.४, १०। **उपनयन-** ता.२, ७, ८, ९, १४, २९। **नामकरण-** ता.८, १४, १९, २२, २८। **अन्नप्राशन-** ता.९, १४, २२, २८। **गृहारम्भ-** ता.३, ८, ९, १०। **गृह प्रवेश-** ता.७, ८, १०, २२, २३। **व्यापार-** ता.१, ९, १४, १८, २३।

जयंतियाँ

ता.१ महाराष्ट्र, गुजरात स्थापना दिवस, ता.३ विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस, ता.१२ महर्षि भृगु, गुरू गोरखनाथ एवं टेकचंद महाराज जयंती, ता. २२ राजाराम मोहन राय जयंती, ता.२७ पं. जवाहर लाल नेहरू पुण्यतिथि, ता.२९ महाराणा प्रताप एवं छत्रसाल जयंती, ता.३१ विश्व धूम्रपान निषेध दिवस।

ग्रह स्थिति

सूर्य- मेष रशि में, ता.१४ के ३/५१ रात्रि से वृष में। **मंगल-** कर्क राशि में। **बुध-** मीन राशि में, ता.७ के ६/२९ प्रातः से मेष में, ता.२३ के १२/३१ दिन से वृषभ राशि में। **गुरू-** वृष राशि में ता.१५ के ७/०४ प्रातः से मिथुन राशि में। **शुक्र-** मीन राशि में ता.३१ के ४/०४ शाम से मेष राशि में। **शनि-** मीन राशि में। **राहु-** मीन राशि में ता.१८ के ११/१७ दिन से कुंभ में। **केतु-** कन्या में, ता.१८ के ११/१७ दिन से सिंह में।

चन्द्र स्थिति

ता.१ को मिथुन का। ता.३ को ६/३७ प्रातः से कर्क का। ता.५ को २/०१ दिन से सिंह का। ता.७ को १२/५७ रात्रि से कन्या का। ता.१० को १/४२ दिन से तुला का। ता.१२ को २/२७ रा.अं. से वृश्चिक का। ता.१५ को २/०७ दिन से धनु का। ता.१७ को १२/०४ रात्रि से मकर का। ता. २० को ७/३५ प्रातः से कुम्भ का। ता.२२ को १२/०८ दिन से मीन का। ता.२४ को १/४८ दिन से मेष का। ता.२६ को १/४० दिन से वृष का। ता.२८ को १/३६ दिन से मिथुन का। ता.३० को ३/४२ दिन से कर्क का। ता.३१ को कर्क का।

मई 2025

वार					
रवि	ता. २ सूरदास जयंती	विश्व हास्य दिवस, चित्रगुप्त जयंती; भानु सप्तमी; **4**; वैशाख शुक्ल ७, ७/१८ प्रातः तक; पुष्य १२/५३ दिन तक	नरसिंह जयंती, मातृ दिवस; **11**; वैशाख शुक्ल १४, ८/०१ रात्रि तक; स्वाति समस्त	संत तारण तरण गुरुपर्व; **18**; ज्येष्ठ कृष्ण ५, ५/५७ प्रातः तक; उ.षा. ६/५२ शाम तक	नवतपा प्रारम्भ; **25**; ज्येष्ठ कृष्ण १३, ३/५१ दिन तक; अश्विनी ११/१२ दिन तक
सोम	ता. ७ रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	मां सीता नवमी, मां बगुलामुखी जयंती; **5**; वैशाख शुक्ल ८, ७/३५ प्रातः तक; अश्लेषा २/०१ दिन तक	भ. गौतम बुद्ध जनमोत्सव; भ. कूर्म अवतार; **12**; वैशाख पूर्णिमा, १०/२५ रात्रि तक; स्वाति ६/१४ प्रातः तक	**19**; ज्येष्ठ कृष्ण ६, ६/११ प्रातः तक; श्रवण ७/२९ रात्रि तक	वट सावित्री व्रत, दर्श अमावस्या; **26**; ज्येष्ठ कृष्ण १४, १२/११ दिन तक; भरणी ८/२३ प्रातः तक
मंगल	ता. २४ श्री अवतार गिरी नागाजी पुण्यतिथि	जानकी जयंती; **6**; वैशाख शुक्ल ९, ८/३८ प्रातः तक; मघा ३/५२ दिन तक	नारद जयंती, इष्टि; **13**; ज्येष्ठ कृष्ण १, १२/३५ रात्रि तक; विशाखा ९/०४ प्रातः तक	कालाष्टमी, पंचक ७/३५ प्रातः से; ज्येष्ठ कृष्ण ८, रा.अं. ४/५५ तक; **20**; ज्येष्ठ कृष्ण ७, ५/५१ शाम तक; धनिष्ठा ७/३२ रात्रि तक	शनि जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल १, ५/०२ रा.अं. तक; रोहिणी २/५० रा.अं. तक; **27**; ज्येष्ठ अमावस्या, ८/३१ प्रात तक; कृतिका ५/३२ प्रातः तक
बुध	ता. २९ महाराणा प्रताप जयंती	रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती; **7**; वैशाख शुक्ल १०, १०/११ प्रातः तक; पू.फा. ३/१७ शाम तक	**14**; ज्येष्ठ कृष्ण २, २/२९ रा.अं. तक; अनुराधा ११/४७ दिन तक	पंचक; राजीव गांधी पुण्यतिथि; **21**; ज्येष्ठ कृष्ण ९, ३/२१ रा.अं. तक; शतभिषा ६/५८ शाम तक	वीर सावरकर जयंती; चन्द्र दर्शन; **28**; ज्येष्ठ शुक्ल २, १/५४ रा.अं. तक; मृगशिरा १२/२९ रात्रि तक
गुरु	विनायक चतुर्थी; अं.रा. श्रमिक दिवस; **1**; वैशाख शुक्ल ४, ११/२३ दिन तक; मृगशिरा २/२१ दिन तक	मोहनी एकादशी; विश्व रेडक्रास दिवस; **8**; वैशाख शुक्ल ११, १२/२९ दिन तक; उ.फा. ९/०३ रात्रि तक	**15**; ज्येष्ठ कृष्ण ३, ४/२० रा.अं. तक; ज्येष्ठा २/०७ दिन तक	पंचक; **22**; ज्येष्ठ कृष्ण १०, १/१२ रात्रि तक; पू.भा. ५/४७ शाम तक	महाराणा प्रताप जयंती; **29**; ज्येष्ठ शुक्ल ३, ११/१८ रात्रि तक; आर्द्रा १०/३८ रात्रि तक	
शुक्र	सूरदास जयंती, रामानुज जयंती, स्कंद षष्ठी; शंकराचार्य जयंती; **2**; वैशाख शुक्ल ५, ९/१४ प्रातः तक; आर्द्रा १/०४ दिन तक	प्रदोष व्रत; **9**; वैशाख शुक्ल १२, २/५६ दिन तक; हस्त १२/०९ रात्रि तक	संकष्ठी चतुर्थी; **16**; ज्येष्ठ कृष्ण ४, ५/१३ रा.अं. तक; मूल ४/०७ शाम तक	अपरा एकादशी, पंचक; **23**; ज्येष्ठ कृष्ण ११, १०/२९ रात्रि तक; उ.भा. ४/०२ शाम तक	विनायक चतुर्थी; गुरू अर्जुन देव पु.ति.; **30**; ज्येष्ठ शुक्ल ४, ९/२२ रात्रि तक; पुनर्वसु ९/२९ रात्रि तक	
शनि	गंगा सप्तमी; **3**; वैशाख शुक्ल ६, ७/५१ प्रातः तक; पुनर्वसु १२/३४ दिन तक	**10**; वैशाख शुक्ल १३, ५/२९ शाम तक; चित्रा ३/१५ रा.अं. तक	**17**; ज्येष्ठ कृष्ण ५, समस्त; पू.षा. ५/४४ शाम तक	शनि त्रयोदशी, प्रदोष व्रत; पंचक १/४८ दिन तक; **24**; ज्येष्ठ कृष्ण १२, ७/२० रात्रि तक; रेवती १/४८ दिन तक	रानी अहिल्या बाई जयंती; **31**; ज्येष्ठ शुक्ल ५, ८/१५ रात्रि तक; पुष्य १/०७ रात्रि तक	

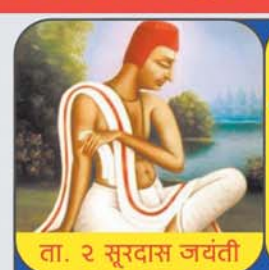

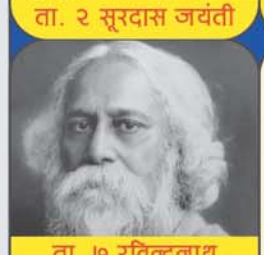

सागर

सूर्योदय	दिनांक	1–5/51	5–5/38	10–5/36	15–5/33	20–5/31	25–5/29
सूर्यास्त	दिनांक	1–6/43	5–6/45	10–6/47	15–6/50	20–6/52	25–6/54

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तनुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः
बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

मास फल

मेष- मंगल के सहयोग से आपका साहसी स्वभाव उजागर होता रहेगा।
वृषभ- विरोधीयों की साजिशों को समझने की कोशिश करें।
मिथुन- सामाजिक क्षेत्र में आप सम्मानित व्यक्तियों के साथ रहेंगे।
कर्क- नोकरी करनेवालों की प्रदोन्नति की संभावनाएं हैं।
सिंह- किसी कारण से दूर की यात्रा के योग बन रहे हैं।
कन्या- विपरित स्थिति पर काबू पाएं। नियमों का उल्लंघन ना करें।
तुला- सकारात्मक चीजें आरंभ होंगी। जिम्मेदारी से आगे बढे।
वृश्चिक- सहयोगियों से निराशा की संभावना है। आपको अच्छी आर्थिक आमदानी होंगी।
धनु- मानसिक संतुलन बनाए रखें।
मकर- सोच-समझकर निर्णय लेने होंगे। विदेश यात्रा के योग बन रहे है।
कुंभ- यह महिना अपेक्षा के अनुरुप रहेगा। आप की सेहत का ख्याल रखें।
मीन- आकास्मिक लाभ होगा।

शुभ कार्यों में वर्जित समय विचार

देवशयन - आषाढ़ शुक्ल ११ से कार्तिक शुक्ल ११ तक देवता शयन करते हैं। इन्हें देवशयन या चातुर्मास कहते हैं, इन दिनों में विवाह, कर्णछेद, मुण्डन, उपनयन, गृहारम्भ आदि का निषेध बताया गया है।
होलाष्टक - होली से ८ दिन पूर्व तक होलाष्टक माना गया है। इसमें कुछ क्षेत्रों में (सतलज, रावी, व्यास नदियों के तथा पुष्कर सरोवर के तटवर्ती भाग में) विवाहादि मांगलिक कार्य वर्जित हैं। अन्य क्षेत्रों में वर्जित नहीं है।
गुरु एवं शुक्र के अस्त में वर्जित कार्य - विवाह, मुण्डन (चौल), उपनयन, कर्णछेदन, दीक्षा, गृह प्रवेश, द्विरागमन, वधु प्रवेश, देव प्रतिष्ठा, कुआँ, जलाशय खोदना इत्यादि कृत्य वर्जित हैं।
भद्रा दोष - भद्रा में विवाह, गृहारम्भ, गृहप्रवेश तथा मांगलिक कार्य वर्जित हैं, पूर्वार्ध दिन की भद्रा रात में तथा उत्तरार्ध की भद्रा दिन में शुभ कार्य के लिए मान्य है।

त्रिपुष्कर योग

ता.३ को ७/५१ प्रातः से ता. १२/३४ दिन तक।

नर्मदा पंचक्रोषी यात्रा

ता.८ से १२ तक गोदवलेश्वर-गंगेश्वर (त्रिवेणी संगम) गौंदागाँव (टिमरनी), शूलपाणेश्वर-गरूड़ेश्वर वासला (एकटेश्वर ब्रिज), गुजरात। ता.२३ से २७ तक माँ विन्ध्यवासिनी, कोटिलिंगेश्वर (आंवलीघाट), सलकनपुर (बुधनी)

एच्छिक अवकाश (राज्य शासन)

ता. २ आद्य गुरू शंकराचार्य जयंती, ता. २९ म. प्रताप जयंती, ता.३१ देवी अहिल्या बाई जयंती।

जैन पर्व

दिगम्बर जैन- ता.२६ भ. शांतिनाथ ज. व मोक्ष, शान्ति धारा दिवस ता.२७ सोलह दिवसीय शुक्ल पक्ष, रोहिणी व्रत, ता.३१ श्रुत पंचमी। **श्वेताम्बर जैन-** ता.११ एवं २६ पाक्षिक प्रतिक्रमण।

यह सोच कितनी अद्भुत है कि हमारे जीवन के अच्छे दिन तो अभी आने बाकी हैं।

आज मजदूर दिवस है, श्रमिकों की मेहनत को करें सलाम

भोपाल। श्रमिक वह हर व्यक्ति है जो शारीरिक या मानसिक शक्ति का उपयोग करके किसी कार्य को करते हैं और उसके लिए वेतन व मजदूरी प्राप्त करते हैं। श्रमिक किसी भी क्षेत्र में काम कर सकता है, जैसे कृषि, निर्माण, कारखाना या सेवा क्षेत्र। एक दौर था जब श्रमिकों के कार्य की अवधि तय नहीं थी, वह 16-16 घंटे कार्य किया करते थे और उनके परिश्रम के बदले मेहनताना भी कम हुआ करता था। श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए और उन्हें सम्मान देने के लिए हर साल मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत हुई। मई माह के पहले दिन यानी 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य मजदूरों को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना है, साथ ही उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना है। इस मजदूर दिवस के मौके पर आप भी दुनिया भर के सभी श्रमिकों को सलाम करें। अपने सभी श्रमिक दोस्तों को मजदूर दिवस के सुंदर संदेश भेजकर खुद पर गर्व महसूस करें।

वो कड़ी धूप में चलते हैं इस यकीन के साथ, कि वे जलेंगे तो उनके घर में उजाले होंगे.!!

उन सभी मेहनती एवं जिम्मेदार व्यक्तियों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं जो 40-45 डिग्री तापमान पर काम कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग मंत्रालय के बाहर वंदे मातरम का गायन करते हुए।

लव जिहाद किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: सारंग

भोपाल। प्रदेश के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग भोपाल में लव जिहाद के मामले को लेकर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लव जिहाद कही भी-किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी मिसाल पेश की जाएगी कि अपराधी सोचकर भी कपकपाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते है इसीलिए जांच के लिए एसआईटी बनाई गई है। लव जिहाद के खिलाफ सरकार ने कठोर कानून बनाया है, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, भोली बेटियों के धर्मांतरण का षडयंत्र बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्कूल-कॉलेज में महिला शिक्षकों के माध्यम से बेटियों से संवाद स्थापित किया जाएगा, जिससे इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो। बता दें कि इसके पहले सांसद आलोक शर्मा भी लव जिहाद को लेकर बरसे थे। उन्होंने इसे समाज के लिए कलंक बताया था और सख्ती से निपटने का कहा था।

भोपाल में हुए लव जिहाद पर विधायक रामेश्वर शर्मा का तीखा हमला

भोपाल। भोपाल के लव जिहाद मामले को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि लव-जिहाद महापाप और घिनौना कृत्य हैं। यह इस्लामिक कट्टरता की पैदाइश है। ये लव जिहाद केवल भोपाल में नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में और देश में संचालित करने का षडयंत्र चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में डॉक्टर मोहन यादव जी के संज्ञान में यह बात लाई गई थी। पुलिस कमिश्नर और पुलिस के आला अधिकारियों को मैंने बताया था कि इस घटना में केवल दो लड़के लड़कियों का सवाल नहीं है इस घटना में सैकड़ो लोग निकलेंगे।

मैंने पहले ही कहा था कि इसकी जांच होनी चाहिए कि उन्हें मकान देने वाला कौन है? लड़कियों को मकान तक पहुंचने वाला कौन है? उनको वहां भोजन और खाना की व्यवस्था करने वाला कौन है? इस लव जिहाद की पूरी घटना जिहादी मानसिकता का प्रमाण है। इसलिए लव-जिहाद करने वालों की कमर भी तोड़ी जाए, हाथ-पैर भी तोड़े जाएं और सार्वजनिक उनका अपमान भी किया जाए। सरकारी संपत्तियों पर इन्होंने जो बड़ी-बड़ी बिल्डिंग में तान रखी हैं तो उन बिल्डिंगों पर भी सवाल खड़ा होंगे। यह सब दिखता है कि इनको लव-जिहाद के लिए पैसा भी कोई ना कोई फाइनेंस कर रहा है। बिना काम धंधे की इनकी बिल्डिंग कैसे खड़ी हो रही हैं यह भी सवाल खड़ा हो रहा है। इन अपराधियों को कुचलने की मंशा पूरी तरह सरकार और समाज की होनी चाहिए।

प्रदेश में आज से शुरू हो गया तबादलों का मौसम, 30 दिन तक चलेगा

पहले ई-ऑफिस में करना होगा रजिस्टर्ड, फिर निकालना होगा ऑर्डर

भोपाल। मौसम विभाग के अनुसार मई में झुलसाने वाली गर्मी पड़ेगी। ऐसी गर्मी के बीच आज से यानी 1 मई से प्रदेश में 30 मई तक तबादलों का मौसम भी गर्मी बढ़ाएगा। राजधानी भोपाल और जिला मुख्यालयों में तबादले का इंतजार कर रहे अधिकारी-कर्मचारी ऑनलाइन और आफ लाइन आवेदन के जरिए अपनी पसंद की जगह पर तबादला कराने के लिए आवेदन करेंगे। जिम्मेदार इन तबादलों की गर्मी में पसीने से सराबोर होंगे। बता दें राज्य स्तर से जारी होने वाले हर आदेश को संबंधित विभाग के ई-ऑफिस में रजिस्टर कराने के बाद ही जारी किया जा सकेगा। हालांकि तबादले की मंजूरी के 36 घंटे बाद भी सामान्य प्रशासन विभाग अब तक 2025 की नई तबादला नीति जारी नहीं कर सका है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव कैबिनेट ने 29 अप्रैल को हुई बैठक में तबादलों को हरी झंडी दे दी है।

30 मई की रात 12 बजे के बाद तबादला नहीं होगा

ई-ऑफिस मॉड्यूल में ट्रांसफर फाइल के मूवमेंट से यह पता लग जाएगा कि जिस अधिकारी-कर्मचारी का ट्रांसफर किया जा रहा है, उसकी फाइल तबादले के लिए तय समय सीमा में ही मूव की गई है। जो फाइल 30 मई 2025 की रात 12 बजे के बाद मूव की जाएगी, उस तबादले को मंजूरी नहीं दी जाएगी। इस स्थिति के बारे में सभी मंत्रियों को भी बता दिया गया है। उनसे कहा गया है कि फाइल का मूवमेंट तय तारीख तक होने के बाद आदेश भले ही अगले दिन जारी हो जाए, लेकिन तबादले की समय सीमा के बाहर काम नहीं होना चाहिए।

तो नई तबादला नीति के निर्देश जारी होंगे: विभागों के कर्मचारी आज से तबादले के लिए आवेदन भले ही करने लगेंगे पर किस आधार पर तबादले किए जाएंगे, अभी यह विभाग प्रमुखों को स्पष्ट नहीं है। सिर्फ पद संख्या के आधार पर किए जाने वाले तबादलों का प्रतिशत ही कैबिनेट की मंजूरी में साफ हुआ है। लेकिन विभागों को इसकी भी लिखित जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि सामान्य प्रशासन विभाग अब एक मई को नई तबादला नीति के निर्देश जारी करेगा।

प्रदेश में मई के पहले सप्ताह में बारिश-ओले गिरेंगे, 48 डिग्री के पार पहुंचे सकता है पारा

सबसे गर्म मालवा-निमाड़ और उज्जैन संभाग के शहर रहे

भोपाल। प्रदेश में मई में भीषण गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश बॉर्डर से जुड़े एमपी के जिलों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। इस बार भी ऐसी ही गर्मी पड़ सकती है। हालांकि, मई के पहले सप्ताह में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। आखिरी सप्ताह में सबसे ज्यादा तपिश होगी। इससे पहले बुधवार को दिनभर गर्मी रहने के बाद शाम में कई शहरों में तेज आंधी चली। बैतूल के पिपरिया गुरुवा गांव में 100 फीट ऊंचा बीएसएनएल टावर गिर गया। हादसे में चार बैल मारे गए, जबकि दो घायल हो गए। इंदौर में शाम को तेज हवा चलने से पेड़ गिर गया। भोपाल में शाम 4 बजे के बाद बादल छाए रहे। बुधवार को सबसे गर्म मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के शहर रहे। खरगोन में 43.2 डिग्री सेल्सियस, खंडवा में 43.1 डिग्री, रतलाम-शाजापुर में 43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान पहुंच गया। वहीं, गुना, नरसिंहपुर, धार, सागर, शिवपुरी, टीकमगढ़, रायसेन और दमोह में पारा 41 डिग्री से ऊपर ही रहा। भोपाल-इंदौर में 41.6 डिग्री सेल्सियस, ग्वालियर में 39.3 डिग्री, उज्जैन में 42.5 डिग्री और जबलपुर में 39 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पहले सप्ताह में ओले-बारिश की संभावना

मई के पहले सप्ताह में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। अगले 4 दिन यानी 1 से 4 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल, बारिश, आंधी, गरज-चमक और ओले गिरने की संभावना है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से अगले 24 घंटे में सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और डिंडोरी में हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है।

मई में झुलसाएगी गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ रहेगा। हालांकि, एक दिन पहले 30 अप्रैल को प्रदेश में गर्मी, आंधी और बारिश वाला मौसम रहा।

पूर्व मंत्री सविता वाजपेई की स्मृति में तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन में जल संचयन इकाई के लोकार्पण लोकार्पणसमारोह को संबोधित करते हुए मेग्सेसे अवार्ड से सम्मानित एवं वाटर मैन राजेंद्र सिंह एवं पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा

जिउ जिउ तेरा हुकमु तिवै तिउ होवणा
जह जह रखहि आपि तह जाइ खड़ोवणा

स्व. हरबंस सिंह सलूजा जी के बेटे,
स्व. सतनाम सिंह जी सलूजा के भाई
रघुवीर सिंह खनूजा के भांजे
बलबीर सिंह जी सलूजा, भूपेन्द्र सिंह जी
सलूजा, कुलवंत सिंह जी सलूजा के भतीजे
चरणजीत सिंह जी सलूजा के जीजा
बलवंत सिंह जी (रांची), हरदीप सिंह जी (इंदौर),
संदीप सिंह जी (इंदौर), रणदीप सिंह जी (सागर)
के साडू
श्री नरेन्द्र सिंह जी सलूजा (प्रवक्ता भाजपा मध्य प्रदेश) का अकास्मिक निधन हो गया है
जिनकी अंतिम यात्रा **2** मई, शुक्रवार को
11 बजे उनके निवास **195,** रानी बाग मुख्य
से रिजनल पार्क मुक्ति धाम ले जाइ जावेगी
शोकाकुल - सुरजीत कौर जी सलूजा (माताजी) रिम्पी सलूजा(धर्मपत्नी), मीत सलूजा(पुत्र), आश्वी सलूजा(पुत्री) एवं समस्त सलूजा परिवार।
मीत सलूजा (पुत्र)- Contact - 9644495000